सुविचार
किसी का भला करके
देखो हमेशा लाभ में रहोगे
किसी पर दया करके देखो
हमेशा याद में रहोगे।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

बॉयफ्रेंड अर्जुन को छोड़ आजरबाइजान ट्रिप...

Ranchi ● Thursday, 20 July 2023 ● Year : 01 ● Issue : 184 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

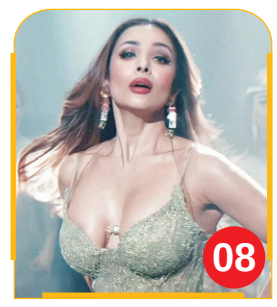

सेंसेक्स	:	67,097.44
निफ्टी	:	19,833.15

SARAFA

सोना	:	5,705
चांदी	:	82.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रांची हिंसा मामले में आठ आरोपियों पर गैर जमानती वारंट जारी

RANCHI : पिछले वर्ष 10 जून को रांची में हुई हिंसा के केस से जुड़े आठ आरोपियों पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है। पिछले दिनों रांची पुलिस ने इस केस के 40 आरोपियों को वारंट जारी करने का अनुरोध किया था। जिसे स्वीकार करते हुए रांची सीजेएम कोर्ट ने आठ आरोपियों के खिलाफ नन बेलेबल वारंट जारी कर दिया है। पुलिस ने जिन आरोपियों का वारंट मांगा है, उनके खिलाफ केस ट्रू (सत्य) पाया गया है। कोर्ट में जिन आरोपियों को नन बेलेबल वारंट जारी किया है, उनके नाम मो नकीब, मो माजिद आलम, मो मुन्ना गद्दी, मो सद्दाम गद्दी, मो जमाल गद्दी, मो खालिद उमर, मो शदाब आलम और मो अजीम उर्फ अजीमूशान हैं। जिन आरोपियों को वारंट जारी हुआ है, वे सभी हिंदपीढ़ी और डोरंडा इलाके के रहनेवाले हैं।

आदिम जनजाति को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा देगी सरकार साढ़े चार करोड़ आवंटित

RANCHI : राज्य के आदिम जनजाति समुदाय बहुल गांव के निवासियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलंत ग्राम क्लीनिक का गठन किया गया है। इसके संचालन और प्रबंधन के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य योजना से 4 करोड़ 50 लाख 56 हजार रुपये का आवंटन किया गया है। सबसे ज्यादा राशि गढ़वा जिले को 1 करोड़ 68 लाख 96 हजार रुपए मिला है। वहीं राज्य के 8 जिलों पूर्वी सिंहभूम, धनबाद, बोकारो, सिमडेगा, देवघर, चतरा, कोडरमा और रामगढ़ को क्रमशः 5 लाख 12 हजार रुपये का आवंटन किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की आरटी-पीसीआर जांच अब नहीं होगी

NEW DELHI : दुनिया में कोरोना की स्थिति में सुधार को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को भारत आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए दिशा-निर्देशों में बदलाव किया है। संशोधित कोरोना दिशा-निर्देशों में 2 प्रतिशत लोगों के आरटी-पीसीआर टेस्ट की आवश्यकता को हटा दिया गया है। यानी अब एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को कोरोना की जांच से नहीं गुजरना पड़ेगा। यह नियम 20 जुलाई से लागू होंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार देश में आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में से रैंडम दो प्रतिशत यात्रियों के आरटी-पीसीआर-आधारित परीक्षण की पहले की आवश्यकताएं अब हटा दी गई हैं।

डीएसपी को गोली मारने वाला बॉबी साव को एटीएस ने दबोचा

लोहरदगा से गिरफ्तारी, दूसरा सहयोगी अब भी पकड़ से दूर

CRIME REPORTER RANCHI : रामगढ़ जिले के पतरातू में डीएसपी नीरज कुमार और दरोगा सोनू साव को गोली मारने वाला अपराधी बॉबी साव को एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना को अंजाम देने के बाद बॉबी साव और उसकी पत्नी बिनीता मंगलवार रात को लोहरदगा के भंडरा थाना क्षेत्र के भौरों गांव में अपने फूफा ससुर शिशिर प्रजापति के घर में छिपा था। शिशिर प्रजापति झारखंड पुलिस में आरक्षी चालक के पद पर कार्यरत है। इसी बीच एटीएस की टीम को भनक मिली कि बॉबी साव लोहरदगा के घर में छिपकर बैठा हुआ है। इसके बाद बॉबी साव को पकड़ने के लिए एटीएस और पतरातू थाना की पुलिस भौंरो गांव पहुंची। उस वक्त घर में शिशिर की पत्नी, बेटी और बेटा मौजूद थे। एटीएस की टीम ने बॉबी को गिरफ्तार किया और अपने साथ रांची ले आयी। इसके बाद बुधवार की सुबह बॉबी की पत्नी वापस अपने घर चली गयी। वहीं, दूसरा सहयोग रवि मुंडा अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। बीते सात जुलाई को रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में कोयला कारोबारी रंजीत गुप्ता को गोली मारने में अमन साहू गिरोह का शार्प शूटर चंदन साव के साथ बॉबी खान भी शामिल था। गिरफ्तार अपराधी जेल में बंद अमन साहू के नाम पर रंगदारी वसूलने का काम करते थे।

डीएसपी और दारोगा को लगी थी गोली

एटीएस की टीम ने अमन साहू गिरोह के चंदन साव समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने गैंग के सदस्य बॉबी खान के बारे में जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस ने बॉबी खान का लोकेशन ट्रैक किया था। एटीएस और रामगढ़ पुलिस की टीम संयुक्त रूप से बॉबी खान को गिरफ्तार करने के लिए पतरातू इलाके में गयी थी। टीम रात करीब 8.30 बजे जब सरना उच्च विद्यालय के पास पहुंची तो उस वक्त बॉबी खान एक अन्य युवक के साथ बाइक से जा रहा था। टीम ने जैसे ही बॉबी खान को पकड़ने की कोशिश की तो बाइक के पीछे बैठे अपराधी ने ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी। इस दौरान डीएसपी और दारोगा को गोली लग गयी थी।

अपराधी बॉबी साव।

- गिरफ्तार अपराधियों ने गैंग के सदस्य बॉबी खान के बारे में पुलिस को दी जानकारी
- लोहरदगा के भंडरा थाना क्षेत्र के भौरों गांव में अपने फूफा ससुर शिशिर प्रजापति के घर में छिपा था बॉबी

एटीएस ने तीन अपराधियों को किया था ARREST

मंगलवार को एटीएस ने कुख्यात अपराधी अमन साव के गुर्गे चंदन साव सहित तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार अपराधियों में चंदन साव के अलावा रामगढ़ के पतरातू थाना क्षेत्र के सांकुल गांव का रहने वाला वारीश अंसारी व रामगढ़ के मांडू थाना क्षेत्र के कुज्जू ट्रांसपोर्ट नगर निवासी सोनू कुमार शामिल हैं। गिरफ्तार चंदन साव एटीएस के साथ मुठभेड़ में भाग गया था। इस मामले में एटीएस ने अपने एटीएस थाने में 17 जुलाई को कांड संख्या 06/2023 दर्ज किया है। तीनों ही आरोपितों को कोर्ट में प्रस्तुत करने के बाद मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एटीएस ने छानबीन में पाया है कि गिरफ्तार तीनों ही अपराधी गैंगस्टर अमन साहू उर्फ अमन साव के नाम पर कोल कंपनियों के अधिकारियों व अन्य व्यापारियों को जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी के रूप में उनसे मोटी रकम वसूलते थे। एटीएस ने जारी बयान में कहा है कि राज्य में सक्रिय संगठित अपराधकर्मियों के विरुद्ध एटीएस की कार्रवाई सख्ती से जारी रहेगी।

सियाचिन में आग आर्मी अफसर शहीद

छह जवान झुलसे, बंकर में हादसा

AGENCY SIACHEN : सियाचिन ग्लेशियर में बुधवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे भारतीय सेना के कई टेंटों में आग लग गई। इस हादसे में एक अधिकारी शहीद हो गया, जबकि छह जवान झुलस गए। इनमें से 3 को इलाज के लिए चंडीगढ़ रेफर किया गया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसा सालटोरो रीजन में हुआ। गोला-बारूद बंकर में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी, जिसने आस-पास के कई टेंटों को चपेट में ले लिया। अभी शहीद अधिकारी और घायल जवानों की पहचान नहीं बताई गई है।

साल 2011 में ऐसा ही हादसा हुआ था

इससे पहले साल 2011 में भी सियाचिन इलाके में अशोक पोस्ट पर सेना के बंकर में आग लगने से मेजर जी एस चीमा और लेफ्टिनेंट अर्चित वर्दिया शहीद हो गए थे। हादसे में 4 जवान घायल हुए थे। ये चारों जवान हादसे के दौरान आग में फंसे अधिकारियों को बचाने के लिए आग में कूद गए थे।

चमोली में करंट लगने से 15 मरे

उत्तराखंड के चमोली जिले के चमोली कस्बे में नमामि गंगे परियोजना के पास एसटीपी प्लांट में बुधवार को बिजली का करंट फैलने के बाद उसकी चपेट में आने से 15 लोगों की मौत हो गयी। जबकि हादसे में 21 लोगों के घायल होने की सूचना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराने के आदेश दिए हैं तथा साथ ही कहा कि इस भयानक हादसे के लिए दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। राज्य पुलिस प्रवक्ता और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) वी मुरूगेशन ने बताया कि चमोली कस्बे में करंट लगने से 15 लोगों की मृत्यु की सूचना मिल रही है। उन्होंने बताया कि हादसे का शिकार होने वालों में एक पुलिस सब इंस्पेक्टर और तीन होमगार्ड भी शामिल हैं।

पलामू के विश्रामपुर में सड़क निर्माण पर बवाल, पत्थरबाजी

कब्रिस्तान से सटकर रोड बनाने का लोगों ने किया विरोध

CRIME REPORTER PLAMU : विश्रामपुर नगर पंचायत में रेहला थाना क्षेत्र के गोदरमा में कब्रिस्तान से सटकर बन रही सड़क को लेकर विशेष समुदाय के लोगों ने बुधवार को आपत्ति जताते हुए पत्थरबाजी की, जिससे सहायक नगर आयुक्त परवेज आलम जख्मी हो गए। उनके सिर में चोट आई है। सीएचसी में उनका इलाज किया गया। पत्थरबाजी करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। पहचान होने पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जायेगा। इधर, सड़क निर्माण शुरू करने की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे कांग्रेस नेता मनु पांडे को जूस पिलाकर उनका अनशन समाप्त कराया गया। बताया जाता है कि गोदरमा में कब्रिस्तान से सटकर पीसीसी सड़क का निर्माण होना है। इस सड़क को लेकर विशेष समुदाय के लोगों का कहना है कि सड़क कब्रिस्तान की जमीन पर बन रही है। हालांकि विवाद होने के बाद फरवरी 2023 में सहायक नगर आयुक्त परवेज आलम ने दोनों समुदायों को बुलाकर बैठक के माध्यम से आम सहमति बनाने की कोशिश की थी और जमीन पर दावे से संबंधित कागजात प्रस्तुत करने को कहा था।

कब्रिस्तान से सटकर बन रही सड़क का विरोध जताते लोग ● फोटोन न्यूज

रांची में स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त, एक दर्जन बच्चे घायल

RANCHI : शहर के ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित इरबा में बुधवार को माउंट कारमेल स्कूल की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में बस में सवार 12 से अधिक बच्चे घायल हो गए। सभी बच्चों को क्योरेस्टा ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन बच्चों की हालत गंभीर बतायी जा रही है। बताया जाता है कि स्कूल बस में 40 बच्चे मौजूद थे। जानकारी के अनुसार स्कूल बस का ब्रेक फेल हो गया था। इसकी वजह से ही बस दुर्घटनाग्रस्त हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बच्चों के अभिभावक भी अस्पताल पहुंचे। अभिभावकों में काफी नाराजगी देखने को मिला। अभिभावकों ने राज्य सरकार से स्कूली बसों के लिए जारी गाइडलाइन का सख्ती से पालन कराने की मांग की।

राजधानी में दूसरों की भूमि पर कब्जा बर्दाश्त नहीं : हाईकोर्ट

अदालत ने सीबीआई व बिल्डर से मांगा जवाब

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में बुधवार को डॉ. चंद्रभूषण वर्मा की याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी कर कहा कि शहर में नक्शा फॉलो किए बिना ही कई निर्माण कार्य हो रहे हैं। दूसरों की भूमि पर कब्जा किया जा रहा है, जिसे अदालत बर्दाश्त नहीं करेगा। अदालत ने इस मामले में सीबीआई और बिल्डर को पार्टी बनाते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की। उन्होंने अदालत को बताया कि डॉ. चंद्रभूषण वर्मा ने बरियातु इलाके में वर्ष 2007 में जमीन खरीदी थी।

FIRE SAFETY NORMS पालन का लगातार रिव्यू हो

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि राज्य के सभी जिलों में बहुमंजिला इमारतों में फायर सेफ्टी नॉर्म्स का पालन सख्ती से होना चाहिए। सरकार को लगातार समय-समय पर इसकी रिव्यू भी करनी होगी। नेशनल बिल्डिंग कोड का पालन सुनिश्चित होना जरूरी है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि फायर सेफ्टी रूल एंड रेगुलेशन का पालन होना चाहिए। राज्य सरकार को 7-8 बिंदुओं पर दिशा निर्देश देते हुए कोर्ट ने मामले को निष्पादित कर दिया। इससे पहले कोर्ट के आदेश के आलोक में सभी जिला प्रशासन के द्वारा बहुमंजिला इमारतों के फायर सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिसे कोर्ट ने अपने रिकॉर्ड में ले लिया।

25 लाख रुपये के इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

CRIME REPORTER RANCHI : माओवादियों के बूढ़ापहाड़ इंचार्ज व 25 लाख का इनामी नक्सली सौरव उर्फ मारकस बाबा ने झारखंड पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, मारकस बाबा ने झारखंड- बिहार सीमा पर पुलिस के समक्ष सरेंडर किया है। वह माओवादियों की सेंट्रल कमेटी का सदस्य है। झारखंड पुलिस ने उस पर 25 लाख रुपए का इनाम रखा है। हालांकि सरेंडर करने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मारकस बाबा उर्फ सौरव बिहार के औरंगाबाद के कुटुंबा के इलाके का रहने वाला है। साल 2021 में माओवादियों ने मारकस बाबा को अपने यूनिफाइड कमांड का इंचार्ज बनाया था। साल 2021 में माओवादियों के सेंट्रल कमेटी सदस्य मिथिलेश मेहता को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद से मारकस बाबा को बूढ़ापहाड़ का इंचार्ज बनाया गया था।

कर्नाटक विधानसभा से BJP के 10 MLA हुए निलंबित

KARNATAKA : कर्नाटक में सियासत एक बार फिर गरमा गयी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। दरअसल, कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी कादर ने बुधवार को सदन में अशोभनीय और अपमानजनक आचरण के लिए भारतीय जनता पार्टी के 10 विधायकों को विधानसभा के शेष सत्र से निलंबित कर दिया है। इस घटना के बाद बीजेपी की ओर से जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश की विपक्षी दल बीजेपी और जद(एस) ने कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी कादर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस विधानसभा सचिव को दिया है।

विधानसभा मानसून सत्र : मिल जाएगा नेता प्रतिपक्ष

बाबूलाल मरांडी के स्थान पर किसी अन्य को नया नेता चुनेगी भाजपा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, जो 4 अगस्त तक चलेगा। यह सत्र कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राजभवन ने जो विधेयक लौटाए हैं, उन्हें फिर से लाया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस सत्र में झारखंड विधानसभा को नेता प्रतिपक्ष मिल जाएगा। बता दें कि बीजेपी ने अपने विधायक दल का नेता बाबूलाल मरांडी को घोषित किया था। लेकिन बाबूलाल मरांडी का मामला दल बदल के मामले में फंसा हुआ है। विधानसभाध्यक्ष के न्यायाधिकरण में है। 10वीं अनुसूची के तहत आने वाले इस मामले में स्पीकर को फैसला लेना है। इस बीच बीजेपी में राजनीतिक फेरबदल हुआ और बाबूलाल मरांडी को दीपक प्रकाश के स्थान पर प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। बाबूलाल के पदभार ग्रहण करने के ठीक पहले दीपक प्रकाश ने स्पीकर रवींद्रनाथ महतो को पत्र लिखा था कि पार्टी अपने रुख पर कायम है और वह बाबूलाल को ही अपने विधायक दल का नेता मानती है। इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। लेकिन बाबूलाल के अध्यक्ष बनने के बाद परिस्थितियां बदल गयी हैं। उम्मीद जतायी जाने लगी है कि इस बार के मानसून सत्र में झारखंड विधानसभा को नेता प्रतिपक्ष मिल जाएगा।

झारखंड विधानसभा

पाकिस्तान की सीमा हैदर जैसा एक और मामला आया सामने, फेसबुक बना माध्यम

बांग्लादेश की जूली भी अपने प्रेमी के लिए आ गई इंडिया

AGENCY NEW DELHI : सीमा हैदर और सचिन मीणा जैसा एक और मामला सामने आया है। एक मामले में प्रेमिका दूसरे देश पाकिस्तान की है वहीं इस मामले में प्रेमिका बांग्ला देश की है। सीमा और सचिन का प्यार पबजी खेलते-खेलते हुआ। जबकि जो नया मामला सामने आया है, उसमें प्यार फेसबुक से हुआ। सीमा हैदर प्रेम में सरहदें लांघकर इंडिया आ गयी, वहीं बांग्ला देश से जूली अपने प्रेमी के साथ रहने के लिये इंडिया आ गयी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मुरादाबाद के सिविल लाइंस गौतम नगर नया गांव निवासी अजय सैनी की दो साल पहले फेसबुक पर बांग्ला देश की जूली से दोस्ती हुई थी। जूली ने अजय को बताया था कि उसके पति की मौत हो चुकी है। उसके एक 11 साल की बेटी है। अजय के प्यार में पागल जूली अपने 11 साल की बेटी हलीमा के साथ लगभग एक साल पहले मुरादाबाद आ गयी थी। यूपी के मुरादाबाद पहुंची जूली ने अजय से हिंदू रीति रिवाज से शादी कर ली। उसने मुस्लिम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म भी अपना लिया। बताया जा रहा है कि जूली जब अजय के घर पहुंची तो पता चला कि प्रेमी की माली हालत ठीक नहीं है। वह किराए के मकान में रहता है और टैक्सी चलाता है। इसके चलते कुछ दिन बाद अजय और जूली की लड़ाई होने लगी। यही नहीं जूली और उसके परिवारीजन अजय के साथ मारपीट भी कर रहे हैं। उस पर धर्म परिवर्तन करके बांग्ला देश में ही रहने का दबाव बनाया जा रहा है। बहुत कोशिश के बाद भी वह भारत नही आ पा रहा है।

अजय व जूली की शादी की तस्वीर।

फर्जी नाम से बनाया फेसबुक आईडी

जूली और अजय दोनों ने ही फेसबुक पर फेक आईडी बनायी थी। जूली का असली नाम जूलिया अख्तर है। जबकि उसने जूली नाम से फेसबुक आईडी बनायी थी। वहीं अजय सैनी ने चौधरी अजय सिंह के नाम से फेसबुक आईडी बनायी थी। अजय रील बनाकर फेसबुक पर डालता था। फेसबुक के माध्यम से ही दोनों में प्यार हो गया था। अजय की सच्चाई जानने के बाद दोनों में बहुत झगड़ा होने लगा था। अचानक तीन महीने पहले अजय जूली के साथ बांग्ला देश चला गया। परिवार वालों ने भी इसकी जानकारी किसी को नहीं दी। इसके बाद कुछ दिन पहले अचानक अजय ने परिवारीजनों को अपना खून से लथपथ फोटो भेजा था और फोन पर बताया था कि जूली उसे भारत नहीं आने दे रही है।

सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन को झारखंड सरकार ने दिया नोटिस

RANCHI : रांची सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन अजय साह को राजनीतिक दल की सदस्यता ग्रहण करने पर झारखंड सरकार ने बुधवार को नोटिस जारी किया है। उन्हें 15 दिन के अंदर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार द्वारा रांची सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष अजय साह को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने पर कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस सरकार के अवर सचिव अरशद जमाल ने भेजा है। नोटिस में अजय साह से पूछा गया है कि भाजपा की सदस्यता लेने पर क्यों ना उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही की जाये?

टू कॉलर की मदद से पकड़े गए दो आतंकी

AGENCY MUMBAI : पुणे में कोथरुड पुलिस स्टेशन की टीम ने टू कालर की मदद से दो आतंकवादियों को गिरफ्तार करके एंटी टेरोरिस्ट स्काड (एटीएस) को सौंप दिया है। पुलिस ने इन दोनों के कोंडवा स्थित घर से लैपटाप, कारतूस और पिस्तौल का कवर बरामद किया है। दोनों पर एनआईए की ओर से 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। कोथरुड पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी अमोल नाजन और प्रदीप चव्हाण ने मंगलवार को तड़के गश्ती के दौरान दोपहिया वाहन की चोरी का प्रयास करते हुए दो लोगों को पकड़ा था, जबकि इनका तीसरा साथी फरार हो गया था। इन दोनों से पूछताछ के दौरान चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। पूछताछ के दौरान इन्होंने खुद के हिंदू नाम बताए, लेकिन जब उनके बताए नंबरों की टू कॉलर पर जांच की गई, तो इनके मुस्लिम होने की जानकारी सामने आई। इनकी पहचान इमरान खान और मोहम्मद यूनुस साकी के रूप में होने के बाद गहन छानबीन की गई। जांच में पता चला कि दोनों 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित किए गए आतंकवादी हैं।

BRIEF NEWS

भाजपा के संपर्क से समर्थन अभियान के तहत चिकित्सक को किया गया सम्मानित

RAMGARH: जिले में भाजपा हर बूथ पर महासंपर्क अभियान चला रही है। इस अभियान को संपर्क से समर्थन का नाम दिया गया है। वार्ड नंबर 6 में बूथ संख्या 51 पर महासंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान वहां के प्रख्यात चिकित्सक डॉ त्रिवेणी मिश्रा को बूथ अध्यक्ष सुरजीत सिंह छाबड़ा ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट के कार्यक्रम प्रभारी तथा महामंत्री ऋषिकेश सिंह ने कहा कि क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्तित्व को सम्मानित करने का निर्देश महासम्पर्क अभियान के तहत निर्धारित किया गया है । इस दौरान प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ टी मिश्रा को सम्मानित किया गया। साथ ही वहां उपस्थित लोगों से 2024 लिए समर्थन मांगा गया। कार्यक्रम में वार्ड अध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, वरुण सिंह, सुरजीत सिंह, मणि शंकर ठाकुर, ईश्वर पासवान सहित वहां के स्वास्थ्यकर्मी, मरीज और उनके परिजनों का भी सहयोग मिला।

प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर के लिए चुनौती बन रहे अपराधी: भाजपा

RANCHI: भाजपा के प्रवक्ता कुणाल सारंगी ने बुधवार को कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था ध्वस्त और सबसे निचले पायदान पर है। अपराधियों में कानून का भय नहीं रहने के कारण आये दिन लॉ एंड ऑर्डर के लिए चुनौती बन रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा की राज्य में अपराधी कानून व्यवस्था को खुली चुनौती देकर सरेआम तांडव मचा रहे हैं और सीएम बंगलौर में विपक्षी गठबंधन की फिक्र करते हुए बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कुणाल सारंगी ने कहा की सूबे में कानून व्यवस्था खत्म होती जा रही है। अपराधी पुलिस प्रशासन पर भारी पड़ रहे हैं। डीएसपी और दारोगा पर भी सरेआम गोलियां चल जा रही है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड के लोगों की नहीं, बल्कि परिवारवादी राजनीतिक गठबंधन की फिक्र है। साथ ही कहा कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा सरकार लौटेगी, जनता महागठबंधन को जवाब देने के लिए तैयार है।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और विधायक ने 04 करोड़ 22 लाख की पथ योजना का किया शिलान्यास

KODARMA: जिले के जयनगर प्रखंड के पीडब्ल्यूडी पथ बागोडीह से रघुनियाडीह तक 04 करोड 22 लाख की लागत से 6.20 किलोमीटर पथ का निर्माण किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद अन्नपूर्णा देवी, विधायक अमित कुमार यादव ने बुधवार को पूजा-अर्चना कर इसका शिलान्यास किया। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि झारखंड में विकास रुक गया है। राज्य में नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने 9 वर्ष के कार्यकाल में जो विकास किया है, भारत ही नहीं विश्व के पटल पर देखा जा सकता है। विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि पूरे क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर सभी कार्य करवाए जा रहे है। लोग आगे आएं और अपने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की मानिटरिंग करें। इस मौके पर संवेदक मेसर्स विनोद कुमार यादव, शिक्षाविद डॉक्टर बीएनपी बर्णवाल, पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम, भाजपा जिला मंत्री सुधीर सिंह, भाजपा जयनगर मंडल अध्यक्ष रामदेव मोदी, महामंत्री यमुना यादव, भाजपा परसाबाद मंडल अध्यक्ष शशि भूषण चौधरी सहित स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

विद्यालयों में क्वालिटी एजुकेशन के साथ खेलों पर भी विशेष जोर : हेमंत सोरेन

CM ने 188 योजनाओं की दी सौगात, 15 हजार लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण

PHOTON NEWS RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आपकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। यह सरकार हर किसी की बात सुनती है और उसका समाधान करती है। सरकार जनता के साथ लगातार संवाद कर रही है। मैं भी लगातार क्षेत्र भ्रमण कर रहा हूं, ताकि योजनाओं की जमीनी हकीकत के साथ आपकी समस्याओं को जान और समझ सकूं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार को गिरिडीह के डुमरी में योजनाओं के उद्घाटन- शिलान्यास एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के अलग राज्य बने दो दशक से ज्यादा हो चुके हैं लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार एवं कई अन्य क्षेत्र में राज्यवासियों की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकी। गरीबी और पिछड़ापन का टैग झारखंड के साथ जुड़ा रहा लेकिन हमारी सरकार विभिन्न चुनौतियों के बीच लगातार राज्य के विकास को गति देने का काम कर रही है। हम कोरोना काल में भी लोगों को जीवन और जीविका के साधन उपलब्ध कराये और अब झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में खड़ा करने के लिए पूरी ताकत के साथ काम कर रहे हैं।

वर्षों से लंबित समस्याओं का कर रहे समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार समस्याओं को लटकाने की बजाय उसके निपटारे की नीति पर कार्य कर रही है। पारा शिक्षकों और सहायिका-सेविका के वर्षों से लंबित मांगों को पूरा करने का काम किया है तो सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना फिर से बहाल कर दी गई है। दूसरी तरफ सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के मार्फत सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के दरवाजे पर पहुंचकर अधिकारियों ने आपकी समस्याओं का समाधान किया है और आपको विभिन्न योजनाओं से जोड़ा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य • फोटोन न्यूज

बेहतर और गुणवत्ता युक्त शिक्षा पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब निजी विद्यालयों से भी बेहतर शिक्षा सरकारी विद्यालय में देंगे की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिये हैं। स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इसका उदाहरण है यहां के शिक्षकों को आईआईएम से प्रशिक्षण दिलाया गया है, ताकि वे आधुनिक एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा बच्चों को दे सके। इसके अलावा विद्यालयों में प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। वहीं, खेल और संगीत की भी पढ़ाई होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेल और खिलाड़ियों के विकास की दिशा में भी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। गांव-पंचायतों में खेल मैदान विकसित किये जा रहे हैं। पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। विद्यालयों को खेल सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं का भी झारखंड में आयोजन होगा।

प्रवासी मजदूरों के लिए भी कई योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य से रोजगार के लिए बड़ी संख्या में मजदूरों का पलायन होता है। इन मजदूरों के कल्याण एवं हितों के संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में विभिन्न राज्यों के साथ समझौता करने की कार्य योजना बनाई है । इसी कड़ी में महाराष्ट्र के साथ समझौता हो चुका है। यहां अब झारखंड के मजदूरों के लिए सेन्टर होगा। यहां अधिकारी भी प्रतिनियुक्त किए जाएंगे, जो मजदूरों की समस्याओं को सुनेंगे और उसका समाधान करेंगे।

इस मौके पर मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री बेबी देवी, विधायक सरफराज अहमद, विधायक विनोद कुमार सिंह, योगेंद्र महतो (राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त) और मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे के साथ जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

CM हेमंत सोरेन और मंत्री हफीजुल हसन सदर विधायक के पिता के श्राद्ध कर्म में हुए शामिल

PHOTON NEWS GIRIDIH: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को डुमरी के दौरे के दौरान सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के हरसिंह रायडीह स्थित आवास उत्सव उपवन पहुंचे और उनके दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन, गांडेय विधायक सरफराज अहमद भी मौजूद थे। इससे पहले सीएम हेमंत सोरेन हेलीकॉप्टर से डुमरी से बोडो हवाई अड्डा पहुंचे। उसके बाद बोडो हवाई अड्डा से मुख्यमंत्री का काफिला सदर विधायक सोनू के आवास पहुंचा था। इस दौरान जिले के कई अधिकारी और जेएमएम और कांग्रेस के नेता भी मौजूद थे। मौजूद रहने वालों में जेएमएम नेता संजय सिंह, अजीत कुमार पप्पू, साहनवाज अंसारी और कांग्रेस नेता सतीश केडिया, नरेश वर्मा समेत कई नेता शामिल रहे। श्राद्ध कर्म में कई अन्य जिलों के भी जेएमएम कार्यकर्ता और नेता भी मौजूद थे।

झारखंड के शिक्षक इस बार राष्ट्रपति सम्मान से रह जाएंगे वंचित

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड के शिक्षक इस बार राष्ट्रपति सम्मान से वंचित रह जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 15 जुलाई थी। इस दिन तक झारखंड के किसी शिक्षकों ने आवेदन नहीं किया था। इस वजह से पांच सितंबर को मिलने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार से झारखंड के सरकारी स्कूल के शिक्षक के वंचित होने की आशंका बढ़ गई है। राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 23 जून को ही पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया था, जिसमें 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले वैसे शिक्षक जो शिक्षण कार्य के अलावा समाज के लिए कुछ अलग हटकर कार्य किए हों, उसकी योग्यता निर्धारित की गई थी। सभी कागजात को पीडीएफ फोर्मेट में

पोर्टल पर अपलोड करना था। इस संबंध में बुधवार को शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने बताया कि झारखंड से किसी भी शिक्षक का आवेदन नहीं करना ये बहुत आश्चर्य की बात है। उन्होंने कहा कि अंतिम दिन पोर्टल में कुछ तकनीकी अड़चन की शिकायत आई थी लेकिन जिन्हें आवेदन करना है वो अंतिम दिन तक का क्यों इंतजार करेंगे। आवेदन समय से पहले ही कर लेना चाहिए था। झारखंड से 2010 में राष्ट्रीय पुरस्कार पा चुके सेवानिवृत्त शिक्षक मोहन सिंह ने कहा कि राष्ट्रपति सम्मान के लिए शिक्षकों का आवेदन नहीं करना दुखद है। उन्होंने कहा कि विभाग और शिक्षकों के बीच समन्वय के अभाव के कारण ऐसा हुआ है। यह शिक्षकों के लिए गौरव का क्षण होता है, जिसे उन्हें अपने बेहतरीन कार्य के लिए सेवाकाल में प्राप्त होता है लेकिन अफसोस है कि इस बार आवेदन की तारीख नहीं बढ़ाई गई तो किसी को भी झारखंड से सम्मान नहीं मिलेगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भेजे गए आवेदन की स्क्रूटनी जिला स्तर पर उपायुक्तों की अध्यक्षता वाली कमेटी करती है। कमेटी की अनुशंसा के बाद शिक्षा सचिव की अध्यक्षता वाली राज्यस्तरीय कमेटी अपनी अनुशंसा नेशनल जूरी को भेजती है। राज्य से अधिकतम तीन शिक्षकों के नाम की अनुशंसा की जाती है, जिसमें से दो शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा रही है। रांची जिला स्कूल के शिक्षक महेंद्र कहते हैं कि जटिल प्रक्रिया की वजह से शिक्षक आवेदन करने से कतराने लगे हैं। उन्होंने कहा कि वे पिछले दो बार से आवेदन भेज रहे थे लेकिन चयन नहीं होने के कारण इस बार उन्होंने आवेदन नहीं किया।

इन सबके बीच शिक्षा विभाग केंद्र सरकार से आग्रह करके आवेदन की तारीख बढ़ाने के प्रयास में है, जिससे झारखंड से भी शिक्षकों का पुरस्कार के लिए चयन हो सके।

गठबंधन है या पप्पू की शादी, हर फेरे के बाद एक फूफा नाराज : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया को लेकर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि विपक्षी दलों की पटना में हुई बैठक के बाद अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप नाराज हो गई। इसके बाद बेंगलुरु में हुई बैठक में बिहार के सीएम नीतीश कुमार नाराज हो गये। ये गठबंधन है या पप्पू की शादी। हर फेरे के बाद एक फूफा नाराज हो जाता है।

पटना में 23 जून को हुई विपक्षी दलों की बैठक में अरविंद

केजरीवाल ने केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली के मामले में लाये अध्यादेश का मामला उठाया था। वे चाहते थे कि इसपर कांग्रेस अपनी स्थिति स्पष्ट करे लेकिन कांग्रेस की ओर से इसपर कुछ कहा जाता, उससे पहले जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बीच में हस्तक्षेप कर दिया। उन्होंने कह दिया कि आज हमलोग यहां बड़े मुद्दे को लेकर जमा हुए हैं। किसी राज्य से जुड़े मसले विशेष पर बात नहीं होनी है। बैठक में मौजूद रहे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप के अन्य नेताओं को यह अच्छा नहीं लगा। मरांडी ने कहा कि 18 जुलाई को बेंगलुरू में हुई विपक्षी दलों के दूसरे दिन की बैठक में महागठबंधन का इंडिया रखने को लेकर नीतीश कुमार नाराज हो गये। बताया जाता कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह नाम सुझाया था। राहुल गांधी ने इसपर समर्थन किया जबकि नीतीश ने इस नाम पर एतराज जताया। नीतीश कुमार, लालू यादव और तेजस्वी यादव बैठक के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी शामिल नहीं हुए।

वित्त विभाग ने 21 जुलाई तक प्रथम अनुपूरक बजट के लिए मांगा प्रस्ताव

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है और 31 जुलाई को प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया जायेगा। वित्त सचिव अजय कुमार सिंह झारखंड ने प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी 2023-24 के लिए विभिन्न विभागों से प्रस्ताव मांगा है। ऐसे में वित्त विभाग ने भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित स्कीम, केंद्रीय स्कीम की हिस्सेदारी में परिवर्तन के फलस्वरूप यदि बजट में संशोधन की आवश्यकता है तो उस पर प्रस्ताव देने को कहा है।

इसके अलावा विगत वर्ष, चालू

वित्तीय वर्ष में केंद्र प्रायोजित योजना या केंद्रीय सेक्टर स्कीम में भारत सरकार से राशि प्राप्त हो गयी है और उसका उपबंध नहीं किया गया है या जो राशि से वह पर्याप्त नहीं है तो उसके संबंध में प्रस्ताव मांगा गया है। सभी प्रस्तावों पर विभागीय मंत्री व योजना सह विकास विभाग की सहमति के बाद ही ऑनलाइन या ऑफलाइन वित्त विभाग को भेजा जायेगा। वित्त विभाग ने इसके अलावा सिर्फ आकस्मिक स्थिति वाले प्रस्ताव देने को कहा है। सारे प्रस्ताव 20 और 21 जुलाई तक देने को कहा गया है।

रघुवर दास ने जेपी नड्डा को सौंपी पटना लाठीचार्ज की जांच रिपोर्ट, कहा-

राज्य प्रायोजित थी हिंसा, हो CBI जांच

PHOTON NEWS RANCHI: पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं एवं नेताओं पर लाठीचार्ज को रघुवर दास की अगुवाई वाली समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने लाठीचार्ज को राज्य प्रायोजित हिंसा करार दिया। साथ ही उन्होंने मांग की कि इस हिंसा की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच करायी जाये। रघुवर दास ने बुधवार (19 जुलाई) को अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) को सौंपी। नयी दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को जो रिपोर्ट जांच कमेटी के संयोजक रघुवर दास ने सौंपी है, उसमें कहा है कि पटना में लोगों और कार्यकताओं से बात करने के बाद एक चीज बिल्कुल स्पष्ट हो गयी कि उस दिन की घटना राज्य प्रायोजित हिंसा का हिस्सा था। पुलिस और प्रशासन ने षड्यंत्र के तहत भाजपा कार्यकताओं को घेरा और उसके बाद बर्बरतापूर्वक उन पर लाठीचार्ज किया।

पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को भी नहीं बख्शा

जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पुलिसकर्मियों ने न महिला को देखा, न पुरुष को। सभी पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसायीं। इससे बड़ी संख्या में कार्यकताओं के सिर पर गंभीर चोटें आयीं। कई कार्यकताओं के हाथ भी टूट गये हैं। रघुवर दास ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की सरकार की पुलिस ने नियोजित तरीके से लाठीचार्ज करवाकर सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं को घायल कर दिया।

इसमें हमारा एक कार्यकर्ता शहीद हो गया।

13 जुलाई को पटना में भाजपा पर हुआ था लाठीचार्ज

बता दें कि 13 जुलाई को पटना में विधानसभा मार्च कर रहे भाजपा कार्यकताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था, जिसमें सांसद समेत दर्जनों कार्यकर्ता घायल हो गये थे। भाजपा ने इस हमले की कड़ी निंदा की। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मामले की जांच के लिए भाजपा नेताओं की चार सदस्यीय कमेटी बनायी। इस समिति ने 15 जुलाई को पटना जाकर पूरे मामले की जांच की और 19 जुलाई को अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंप दी।

14 जुलाई को भाजपा ने बनायी जांच कमेटी

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने 14 जुलाई को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को बताया था कि पटना में हुई पुलिस की कार्रवाई और राज्य सरकार के रवैये की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोर निंदा की है। भाजपा कार्यकर्ता के शहादत पर पार्टी अध्यक्ष ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि विजय सिंह की शहादत बेकार नहीं जायेगी।

भ्रष्टाचार का किला बचाने के लिए लोकतंत्र पर हमला

श्री नड्डा ने बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति के खिलाफ चार्जशीट है और उसको बचाने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी नैतिकता को ताक पर रख दिया है. उनका निशाना बिहार के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर था। श्री नड्डा ने कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार भ्रष्टाचार का किला बचाने के लिए लोकतंत्र पर हमला कर रही है।

ललन सिंह ने कहा– कानून तोड़ेंगे, तो पुलिस लाठीचार्ज करेगी

श्री नड्डा ने कहा था कि पटना में अपने लोकतांत्रिक अधिकार के तहत प्रदर्शन करने जा रहे भाजपा कार्यकताओं पर पुलिस का हमला राज्य सरकार की विफलता और उसकी बौखलाहट को दशार्ता है। वहीं दूसरी तरफ, जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह ने पटना में भाजपा कार्यकताओं पर लाठीचार्ज को जायज ठहराया था। श्री सिंह ने कहा था कि अगर आप कानून तोड़ेंगे, तो पुलिस को लाठीचार्ज करना ही पड़ेगा। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

झारखण्ड में पुलिस सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या होगा हाल : सांसद

RAMGARH: पतरातू में 17 जुलाई को एक दुखद घटना घटी। एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार और दारोगा सोनू साव को अपराधियों ने गोली मार दी। उन्हें रांची स्थित मेडिका अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सांसद सह अध्यक्ष वित्त सम्बन्धी संसदीय स्थायी समिति जयंत सिन्हा ने तुरंत जिला प्रशासन से घटना की जानकारी ली। उन्होंने रामगढ़ एसपी से घटना पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही अस्पताल में चिकित्सकों से बात कर दोनों अधिकारीयों के स्वास्थ्य के विषय में जानकारी प्राप्त की। जयंत सिन्हा ने कहा कि मैं जिला प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में हूं। झारखण्ड में आज अपराधी बेखौफ हैं।

RANCHI MAYOR के पद को SC के लिए रिजर्व करने के मामले में वापस ली गई याचिका

चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने वापसी की दी अनुमति

SPECIAL REPORTER RANCHI : रांची मेयर का पद अनुसूचित जनजाति से हटाकर अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व करने के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में बुधवार को हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कहा गया कि सरकार और चुनाव आयोग ने इस आदेश को वापस ले लिया और ट्रिपल टेस्ट की बात कही है। जिसके बाद प्रार्थी ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका वापस लेने की अनुमति प्रदान की। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पैरवी की। याचिका में उनकी ओर से कहा गया था कि शेड्यूल एरिया में नगर निकाय चुनाव में मेयर या अध्यक्ष या नगर पंचायत अध्यक्ष का पद सिर्फ आदिवासियों के लिए ही आरक्षित हो सकता है, गैर आदिवासियों के लिए यह पद नहीं हो सकता है। बता दें कि इसे लेकर लक्ष्मीनारायण मुंडा ने याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने कहा था कि पांचवी अनुसूची के तहत अनुसूचित जिले में मेयर या अध्यक्ष का पद एसटी के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है लेकिन नियमों का उल्लंघन करते हुए इस बार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा एससी के लिए आरक्षित कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल रमेश वाघ बनाम महाराष्ट्र सरकार के मामले की सुनवाई के बाद राज्य सरकारों द्वारा बिना ट्रिपल टेस्ट कराये ओबीसी को चुनाव में आरक्षण नहीं देने से संबंधित आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में होनेवाले पंचायत और नगर निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण प्रदान करने की तीन जांच अर्हताएं तय की हैं। इसके मुताबिक पिछड़े वर्ग के लोगों की सामाजिक, राजनीतिक व शैक्षणिक स्थिति मालूम करने के बाद ही आरक्षण तय किया जायेगा। आयोग विस्तृत और व्यावहारिक डाटा के आधार पर निकायों में ओबीसी के प्रतिनिधित्व का निर्धारण करेगा। हालांकि, इसके लिए कुछ आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी से अधिक नहीं होगी। यानी, निकायों में एसटी-एससी को मिलने वाले आरक्षण को 50 फीसदी की सीमा से घटाते हुए शेष सीटों पर ओबीसी को आरक्षण मिलेगा। इधर झारखंड में नगर निकाय चुनाव के लिए ओबीसी या पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट शुरू किया जाना है।

संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामले में गृह मंत्रालय का नहीं आया जवाब

RANCHI : बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा घुसपैठ कर संथाल इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर दानियल दानिश की जनहित याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों से जवाब मांगा था, बुधवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का जवाब नहीं आ सका। अदालत ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने जवाब दाखिल करने के लिए 5 सप्ताह का समय मांगा। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई 6 सितंबर निर्धारित कर दी है।

वहीं राज्य सरकार ने जवाब दाखिल कर दिया है। सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि फिलहाल पाकुड़ में 100 से ज्यादा मदरसे स्थापित हैं। जबकि याचिकाकर्ता ने पाकुड़ में 41 मदरसे होने का जिक्र किया था। वहीं सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि इस वर्ष संथाल इलाके में एक धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है।

प्रार्थी ने अपने याचिका में कहा है कि संथाल के जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जैसे झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी मूल के लोग घुसपैठ कर झारखंड आ रहे हैं। इससे जिलों की जनसंख्या में कुप्रभाव पड़ रहा है। वहीं लैंड जिहाद भी चल रहा है। इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय जनजातीय युवतियों के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है, और फिर स्थानीय बनकर जमीन हड़पने और राज्य में आरक्षण समेत कई लाभ उठाए जा रहे हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला : मनोज पुनमिया की याचिका खारिज

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित मनोज कुमार बाबूलाल पुनमिया की ईडी कोर्ट में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट संबंधी क्रिमिनल रिवीजन को खारिज कर दिया। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। ईडी की ओर से अधिवक्ता एके दास ने पैरवी की। मनोज पुनमिया की ओर से ईडी की विशेष अदालत में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट का आग्रह कोर्ट से किया गया है। उनकी ओर से खुद की बजाय अधिवक्ता के माध्यम से ईडी कोर्ट में उपस्थिति सुनिश्चित कराने का आग्रह हाई कोर्ट से किया गया। ईडी कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मधु कोड़ा के अलावा अरविंद व्यास, मनोज कुमार बाबूलाल पुनमिया, अनिल बस्तावडे, विनोद सिन्हा, विकास सिन्हा आदि सात आरोपियों के खिलाफ ईडी ने ईसीआईआर 2/2009 दर्ज कराया था। मधु कोड़ा एवं अन्य पर करीब 3600 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

अफसर उर्फ लंगड़ा को बेल देने से HC ने किया इंकार

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने बुधवार को रांची सिविल कोर्ट के दिवंगत अधिवक्ता मनोज झा हत्याकांड के आरोपी अफसर आलम उर्फ छोटू उर्फ लंगड़ा को बेल देने से इनकार कर दिया है। लंगड़ा ने अपने वकील के माध्यम से हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद अदालत ने लंगड़ा की याचिका खारिज कर दी। वर्ष 2021 में रांची सिविल कोर्ट के वकील मनोज झा की तमाड़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में कई लोगों को आरोपी बनाया गया है, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। दिवंगत अधिवक्ता मनोज झा के परिजनों की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता हेमंत शिकरवार ने बहस की। इस केस में बहस के लिए अधिवक्ता हेमंत शिकरवार कोई फीस नहीं ले रहे हैं।

पूर्व मंत्री नलिन सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

RANCHI : पूर्व मंत्री और सत्ताधारी दल जेएमएम के वरिष्ठ विधायक नलिन सोरेन की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सभी पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अब अदालत का क्या फैसला सुनाता है यह देखना महत्वपूर्ण होगा। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम चौधरी की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। विधायक नलिन सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता आरएस मजूमदार और रोहन मजूमदार ने बहस की। उनकी

खुले में मांस की बिक्री पर रोक का आदेश खारिज

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को स्लॉटर हाउस का संचालन शुरू कराने, खुले में मांस बेचने और काटने के खिलाफ नगर निगम के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुना दिया है। हाई कोर्ट ने रांची नगर निगम के आदेश को खारिज करते हुए कहा है कि निगम द्वारा जारी आदेश में सरकार का अनुमोदन प्राप्त नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इसके लिए सरकार जल्द रेगुलेशन बनाए। बिना नियम अनुसार राजधानी में चल रहे अवैध बूचड़खानों पर लगाम लगाने को लेकर पूर्ववर्ती सरकार ने कांके में एक स्लॉटर हाउस का निर्माण कराया था। साथ ही शहर में मौजूद सभी दुकानदारों को यह निर्देशित किया था कि सभी दुकानदार नियम का पालन करते हुए खुले में मांस नहीं बेचेंगे और अवैध बूचड़खाने संचालित नहीं किए जाएंगे।

झारखंड के 24 पुलिस पदाधिकारियों को आईपीएस रैंक में मिली प्रोन्नति

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड के 24 पुलिस पदाधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में प्रोन्नति मिल गयी है। इसके साथ ही झारखंड को 24 नये आईपीएस मिल गये हैं। झारखंड सरकार ने वर्ष 2017, वर्ष 2019 और वर्ष 2020 में इन पदाधिकारियों को प्रोन्नति देने की सिफारिश भारत सरकार से की थी। भारत सरकार ने इन सभी को आईपीएस (कैडर) रूल्स 1954 के तहत आईपीएस में प्रोन्नत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जिन लोगों को आईपीएस बनाया गया है, उनमें सरोजिनी लकड़ा भी शामिल हैं। सरोजिनी लकड़ा इस वक्त खेल विभाग की निदेशक हैं। वर्ष 2017 में ही उनके नाम की अनुशंसा की गयी थी। वर्ष 2017 में जिन लोगों के नामों की अनुशंसा की गयी थी, उनमें एमेलडा एक्का, सादिक अनवर रिजवी, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडेय और विजय आशीष कुजूर शामिल हैं। वर्ष 2019 में झारखंड सरकार ने 12 पुलिस अधिकारियों को आईपीएस में प्रोन्नत किये जाने की अनुशंसा की गयी थी। इनमें जिन लोगों के नाम की अनुशंसा की गयी थी, उनमें दीपक कुमार शर्मा, राज कुमार मेहता, शंभु कुमार सिंह, अजय कुमार सिन्हा, अनुदीप सिंह, पूज्य प्रकाश, शाहदेव साव, अमित कुमार सिंह, अजित कुमार, मुकेश कुमार, दीपक कुमार पांडेय और अनिमेष नैथानी शामिल हैं। वर्ष 2020 में जिन लोगों को प्रोन्नति के लिए चुना गया था, उनके नाम अजय कुमार-1, आरिफ एकराम, डॉ बिमल कुमार, मनीष टोप्पो, कैलाश करमाली और पीतांबर सिंह खेरवार शामिल हैं। झारखंड के पुलिस अधिकारियों को प्रोन्नति दिये जाने संबंधी अधिसूचना का प्रकाशन हो चुका है।

गृह सचिव और डीजीपी ने सभी जिलों के एसपी के साथ की बैठक

अपराध पर लगाम लगाने का दिया निर्देश

CRIME REPORTER RANCHI : बुधवार को झारखंड के गृह सचिव अविनाश कुमार और डीजीपी ने अजय कुमार सिंह ने सभी जिलों के एसपी के साथ बैठक की। इसमें नए अपराधकर्मियों पर विशेष निगरानी रखने और जमीन के विवादों सहित बुजुर्गों की समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में अपराध नियंत्रण को बुधवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक में गृह सचिव ने यह बातें कहीं। इसके अलावा डीजीपी के द्वारा हत्या, डकैती, लूट, स्नेचिंग, आर्म्स एक्ट फिरौती के लिए अपहरण, संगठित अपराधिक गिरोह द्वारा रंगदारी के प्रतिवेदित कांडों का आंकड़ा, उपरोक्त शीर्षों के अन्तर्गत लंबित काण्डों की विवरणी एवं संगठित

बैठक करते गृह सचिव अविनाश कुमार और डीजीपी अजय कुमार सिंह।

अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। गृह सचिव अविनाश कुमार ने सभी जिलों में अपराध नियंत्रण के लिए की गई कार्रवाई की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की। इसके अलावा उन्होंने ड्रग्स नेटवर्क का पता करते हुए आखिरी सप्लायर अपराधकर्मी तक पहुंचकर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये। संगठित रूप से किये जाने वाले अवैध उत्खनन (कोयला, आयरन ओर, बालू और पत्थर) पर पूर्ण रोक लगाने, शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास बेचे जाने वाले ड्रग्स पैडलर्स को चिन्हित कर गिरफ्तार कर उसपर रोक लगाने का निर्देश दिए। साथ ही जमीन के विवादों सहित बुजुर्गों की समस्याओं पर संवेदनशील होकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

यात्री बस के AGENT पर छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप

CRIME REPORTER RANCHI : रांची से गुमला जाने वाली बसंत (जेएच06के-6129) नामक यात्री बस के एजेंट बबलू अंसारी पर एक स्कूली छात्रा से छेड़छाड़ करने से नाराज ग्रामीणों ने बुधवार को करकट मोड़ के पास बस को लगभग एक घंटे तक रोके रखा। ग्रामीण उक्त बस के एजेंट को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे थे, जबकि छेड़खानी करने वाला एजेंट फरार हो गया। बाद में सूचना पर पहुंची चान्हो पुलिस ने बस को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। इधर, पीड़िता के पिता ने चान्हो थाना में बस एजेंट बबलू अंसारी के खिलाफ छेड़खानी का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दर्ज करायी है। पीड़ित छात्रा के अनुसार मंगलवार को वह मांडर मिशन स्थित कालेज से क्लास करने के बाद अपने घर जाने के लिए बसंत बस में बैठी थी। बस का एजेंट पैसा मांगने के बहाने उससे बात करने लगा और टिकट के पीछे अपना फोन नम्बर के साथ ही लिखा कि रात को तुम इस नंबर पर फोन करना और व्हट्सअप में अपना नाम बताना।

पिठोरिया में 29 को निकलेगा मुहर्रम का जुलूस

PHOTON NEWS RANCHI : सेंट्रल मोहर्रम कमिटी पिठोरिया की बैठक पिठोरिया ईदगाह में कमिटी के अध्यक्ष सुभान अंसारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कोकदोरो, बालू, पिस्टोला, कोनकी, सहित कई गांव के खलीफा शामिल हुए। मौके पर कमिटी के अध्यक्ष सुभान अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष मोहर्रम के जुलूस 29 जुलाई को क्षेत्र के खलीफाओं और गणमान्य लोगों को पगड़ी का रस्म अदा की जाएगी। वहीं 30 जुलाई को मोहर्रम का जुलूस निकाली जाएगी जिसमें क्षेत्र के पिस्टोला, पिठोरिया, कोनकी, कोकदोरो, न्यातोली, भागलपुर सहित कई गांव के अखाड़ा भाग लेंगे। बैठक में क्षेत्र के जिला परिषद प्रतिनिधि

पिठोरिया ईदगाह में बैठक में शामिल खलीफा • फोटोन न्यूज

जमील अख्तर, सलिल अंसारी, सज्जाद खलीफा, खतिबुल अंसारी, ऐनुल हक अंसारी, सईद अहमद, सरवर खान उर्फ भोला, खुर्शीद खलीफा, असगर खलीफा, आरिफ खलीफा, इकबाल अंसारी, मोख्तार अंसारी, जावेद अख्तर अंसारी, इदुल अंसारी, साहिर अंसारी, मोख्तार अंसारी, मोहिबुल्ला अंसारी, आलम अंसारी, बबलू खान, आफताब अंसारी, सलमान अंसारी, मेराज खलीफा, फिरोज खलीफा, शाबान अंसारी सहित दर्जनों लोग शामिल हुए।

रातू रोड एलिवेटेड कारिडोर के नीचे दिखेगी झारखंड की संस्कृति

RANCHI : रातू रोड में निर्माणाधीन एलिवेटेड कारिडोर देश को झारखंड की कला-संस्कृति से भी रूबरू कराएगा। जो भी बड़े वाहन बाहर के गुजरेंगे, वह झारखंड की विविधता का दर्शन भी करेंगे। यह पुल देश और शहर को ही नहीं जोड़ेगा, दो समाज और संस्कृति भी जुड़ेगी। रांची सांसद संजय सेठ ने यह प्रयास किया है। एनएचएआई और केसीसी बिल्डकॉन के द्वारा इसकी व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।

सीड की ओर से आयोजित कार्यक्रम को मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने किया संबोधित

विकास की नई रूपरेखा तय करेगा जस्ट ट्रांजिशन टास्क फोर्स

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन टास्क फोर्स राज्य ही नहीं, बल्कि भारत के क्लाइमेट चेंज से संबंधित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों और ग्रीन इकोनॉमी के रास्ते पर चलने के लिहाज से बेहद अहम है। यह टास्क फोर्स राज्य की भावी दशा और दिशा के लिए बेहद निर्णायक पहल है। क्योंकि, यह आकलन करेगा कि हरित अर्थव्यवस्था की राह पर चलना

झारखंड जैसे खनिज संपन्न राज्य को कैसे प्रभावित करेगा और इसका क्या ठोस समाधान एवं नीतिगत रास्ता होगा। मुख्य सचिव बुधवार को वन विभाग एवं झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के संयुक्त तत्वावधान में सीड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन के विजट डॉक्युमेंट नव निर्माण की ओर अग्रसर पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि जस्ट ट्रांजिशन झारखंड में विकास की नई रूपरेखा तय करेगा। देश में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते संकट को रोकने के लिये विजन 2070 के नेट-जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की बात कही गई है, जिसमें टास्क फोर्स की भूमिका अहम होगी। नवंबर 2022 में ही झारखंड इस दिशा में टास्क फोर्स गठन करने वाला देश में पहला राज्य है। मुख्य सचिव ने कहा कि झारखंड में रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से पावर जेनरेट करने का लक्ष्य है, जिसमें सोलर एनर्जी, हाईड्रोजन एनर्जी आदि महत्वपूर्ण स्रोत होंगे। राज्य में कोयला और थर्मल पावर प्लांट तथा इससे संबद्ध स्थानीय अर्थव्यवस्था, लघु-सूक्ष्म उद्योगों और असंगठित क्षेत्र से लाखों लोग जीविका प्राप्त करते हैं। जीवाश्म ईंधन पर आधारित कई शहरों के आर्थिक ढांचा को कैसे बिना आघात के नए बदलावों के अनुरूप तैयार किया जाये, यह बड़ी चुनौती होगी। यही कारण है कि इस टास्क फोर्स पर पूरे देश की नजर है। क्योंकि, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे अन्य जीवाश्म संसाधन से समृद्ध राज्य झारखंड द्वारा तैयार रोडमैप और मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

राज्य में धीमा पड़ा मानसून, 24 तक रुक-रुककर होगी बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में एक बार फिर से मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई है। बीते कुछ दिनों में हल्की-फुल्की बारिश हुई थी। प्रदेश के लोगों को लगा था कि अब शायद उन्हें थोड़ी राहत मिले लेकिन अगले चार दिनों के लिए मानसून फिर से शिथिल हो सकता है। कई जिलों में कम बारिश की वजह से परेशानी बढ़ी है। बंगाल की खाड़ी में एक साइक्लोनिक सरकुलेशन बन रहा है। इसका असर 20 जुलाई तक दिख सकता है। पिछले 24 घंटे में झारखंड के कई हिस्सों में रुक- रुक कर बारिश हुई है। रांची मौसम विभाग के अनुसार चार-पांच दिनों तक झारखंड में मौसम का मिजाज सामान्य रहने की संभावना है। मानसून बहुत अधिक सक्रिय नहीं होगा। इस कारण राज्य में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि 24 जुलाई तक राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान वज्रपात की भी आशंका जाहिर की गयी है।

BRIEF NEWS

नामकुम में युवक का सड़ा गला शव बरामद

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र स्थित जामचुआं के राबंगदा पहाड़ के नीचे बुधवार को एक युवक का सड़ा गला शव बरामद हुआ है। शव की पहचान जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के कोयनर डीबडीह निवासी राजू कच्छप के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच में जुट गयी है। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर उसके शव को फेंक दिया गया है। बताया जाता है कि राजू कच्छप जामचुआं स्थित अपने जीजा के घर 14 जुलाई को आया था। इसके बाद वह अपने घर नहीं लौटा। चार दिनों से वो लापता था। उसका कोई पता भी नहीं चल पा रहा था।

लैंड स्कैम : अफसर अली की जमानत याचिका पर 31 जुलाई को सुनवाई

RANCHI : सेना के कब्जे वाली जमीन समेत रांची के अन्य भूखंडों की फर्जी दस्तावेजों के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम के आरोपी अफसर अली की जमानत अर्जी पर ईडी की विशेष अदालत में 31 जुलाई को सुनवाई होगी। बुधवार को अफसर अली की जमानत अर्जी पर सुनवाई होनी थी। लेकिन अदालत के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई नहीं हुई। बता दें कि लैंड स्कैम की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है। अफसर अली से पहले अमित अग्रवाल और दिलीप घोष ने भी जमानत याचिका दाखिल की थी। लेकिन दोनों को बेल देने से ईडी कोर्ट इनकार कर चुका है।

शिक्षा विभाग करायेगा सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

RANCHI : शिक्षा विभाग सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन करायेगा। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के खेल आयोजन के बाद इसका प्रतियोगिता के बाद आयोजित की जायेगी। इसको लेकर विभागीय सचिव ने प्री-सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन के तिथि की घोषणा कर दी है। एसजीएफआई खेलों के बाद ये दूसरा आयोजन है जो, खेल निदेशालय के बजाय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग आयोजित करेगा। सुब्रतो कप प्रतियोगिता के तहत जूनियर बालक व बालिका (अंडर-14 बालक व अंडर-17 बालिका) के अलावा सब-जूनियर (अंडर-14) का आयोजन 19 सितंबर से 23 अक्टूबर तक बेंगलुरु में आयोजन होना है। इसके लिए, राज्यस्तरीय टीम के निबंधन की अंतिम 10 अगस्त रखी गयी है।

इंटर में नामांकन को लेकर विद्यार्थियों में मची होड़

RANCHI : सरकार द्वारा इंटरमीडिएट में नामांकन का आदेश दिये जाने के बाद राज्यभर के कॉलेजों में विद्यार्थियों में होड़ मच गयी है। अपने मनपसंद कॉलेजों में एडमिशन के लिए विद्यार्थी कॉलेजों की दौड़ लगा रहे हैं। हालांकि, देर से आदेश जारी होने से काफी संख्या विद्यार्थी स्कूलों में प्लस टू में नामांकन भी ले लिया है, लेकिन कई विद्यार्थी अब भी सरकार के आदेश का इंतजार कर रहे थे। आदेश के बाद डिग्री कॉलेजों की ओर से जल्दीबाजी में फॉर्म जारी कर दी गयी है।

atomy ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

BRIEF NEWS

अधिकारियों की लापरवाही से किसी भी पंचायत में नहीं खुला है खाता : लव महतो

BHURKUNDA: दोतल्ला पंचायत के पूर्व मुखिया सह जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष लव कुमार महतो ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उक्त समिति का गठन वर्ष 2018 में किया गया था। साथ ही विगत वर्ष विभिन्न सेक्टरों में कार्यशाला का आयोजन कर प्रशिक्षण दिया गया। लेकिन वन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण अभी तक किसी भी पंचायत का बैंक खाता नहीं खुल पाया है। जिसके कारण जैव विविधता का क्षरण की गति को नहीं रोका जा रहा है। इससे एक चैथाई प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। वहीं कई विलुप्त होने के कगार पर है। उन्होंने कहा कि जिस वन विभाग को इसके लिए जिम्मेवारी दी गई है वहीं पूर्ण रूप से लापरवाह है।

ग्रामीणों की सुविधाओं का रखूंगा पूरा ख्याल : संदीप उरांव

कुरसे मुखिया के पहल पर जेएसपीएल सीएसआर विभाग ने 156 लाभुकों को दिया ड्राम, पानी स्टॉक करने में मिलेगी सहुलियत

जेएसपीएल सीएसआर विभाग द्वारा कुरसे मुखिया संदीप उरांव के पहल पर भंडरा में 64 और कुसियारा में 92 लाभुको के बीच ड्राम का वितरण किया गया। मौके पर मुखिया संदीप उरांव ने कहा कि ड्राम मिलने से ग्रामीणों को गर्मी से निजात पाने के लिए ड्राम में पानी स्टॉक कर उपयोग करने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान ही मेरी पहली प्राथमिकता है। मुखिया श्री उरांव ने कहा कि पंचायत के चहुंमुखी विकास के साथ जन समस्याओं का समाधान ही मेरा लक्ष्य है। मौके पर वार्ड सदस्य बिनोद उरांव, किरण बाला देवी, निर्मल महतो, भरत लिंडा, संगीता उरांव, अल्बिना तिग्गा, हर्षवर्धन खाखा, जुगेश उरांव, सूरज जयसवाल, विजय उरांव, कांति उरांव, दसमी देवी, सुमी देवी, रामचरण उरांव सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थें।

सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में आगामी क्षेत्रीय खेलकूद को लेकर योजना बैठक

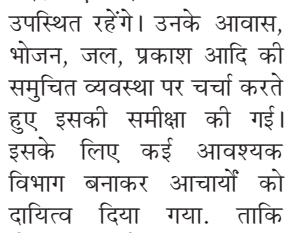

RAJRPPA: रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार में विद्या भारती उत्तर- पूर्व क्षेत्र (बिहार-झारखण्ड) के क्षेत्रीय सचिव नकुल शर्मा, विद्या विकास समिति, झारखण्ड के प्रदेश सचिव अजय तिवारी के नेतृत्व में बिहार-झारखण्ड के समितियों के पदाधिकारियों की योजना बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी अक्टूबर माह में सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में आयोजित क्षेत्रीय खेलकूद को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके पूर्व अधिकारियों द्वारा रजरप्पा आवासीय स्थित खेल-मैदान का अवलोकन किया गया। इस खेलकूद समारोह में बिहार-झारखण्ड के सरस्वती विद्या मंदिर से लगभग पाँच सौ प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। उनके साथ सहायक आचार्य, खेल पर्यवेक्षक, निर्णायक तथा प्रदेश एवं क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। उनके आवास, भोजन, जल, प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था पर चर्चा करते हुए इसकी समीक्षा की गई। इसके लिए कई आवश्यक विभाग बनाकर आचार्यों को दायित्व दिया गया. ताकि खेलकूद समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

सफाई कर्मियों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने, उनकी समस्याओं के निराकरण को लेकर समाहरणालय सभाकक्ष में हुई बैठक

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, की उपाध्यक्ष अंजना पवार ने किया रामगढ़ जिले का दौरा

PHOTON NEWS RAMGARH: माननीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, भारत सरकार अंजना पवार ने बुधवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिले के सफाई कर्मियों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने, सरकार की योजनाओं का लाभ देने व सफाई कर्मियों से जुड़े कई मामलों को लेकर समाहरणालय सभाकक्ष में अधिकारियों, सफाई कर्मियों के यूनियन के अध्यक्षों, सफाई कर्मियों आदि के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त, रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा एवं अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन द्वारा माननीय उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना पवार का पौधा देकर रामगढ़ जिले में स्वागत किया जिसके उपरांत बैठक की शुरूआत करते हुए श्रीमती पवार ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास में सफाई कर्मियों का योगदान बहुत बड़ा होता है उनके द्वारा किए गए सफाई कार्यों से ना केवल वातावरण साफ होता है बल्कि कई तरह की बीमारियों से भी हम सभी बचते हैं लेकिन वर्तमान समय में सफाई कर्मियों की स्थिति को देखते हुए हम सभी को जरूरत है कि हम उनके लिए और भी संवेदनशील हो। इसी उद्देश्य आज इस बैठक का आयोजन किया गया है।

बैठक के दौरान श्रीमती पवार ने कहां की जिस प्रकार से सफाई कर्मियों ने करोना जैसी विषम परिस्थिति में भी पूरी ईमानदारी के साथ अपना कार्य किया वह सराहनीय है। सरकार द्वारा सफाई कर्मियों को मुख्यधारा से जोड़ने हेतु विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। साथ ही उन्हें विभिन्न सुविधाएं भी दी जा रही है। लेकिन जागरूकता के अभाव में अभी भी बड़ी संख्या में सफाई कर्मी लाभ से वंचित है।

बैठक के दौरान श्रीमती पवार ने नगर परिषद, छावनी परिषद सहित अन्य संबंधित अधिकारियों से वर्तमान में रामगढ़ जिला अंतर्गत कार्यरत सफाई कर्मियों एवं उन्हें मिल रहे लाभ, मानदेय आदि की जानकारी ली जिसके उपरांत उन्होंने सफाई कर्मियों की नियमित

समाहरणालय सभाकक्ष की बैठक में उपस्थित अंजना पवार व अन्य कर्मी ● फोटोन न्यूज

रूप से स्वास्थ्य जांच कराने एवं किसी भी प्रकार के रोग की पहचान होने पर उनके इलाज हेतु कार्यवाई करने का निर्देश दिया साथ ही उन्होंने सुरक्षा दृष्टिकोण से सफाई कर्मियों को कार्यों के दौरान अनिवार्य रूप से पहचान पत्र साथ रखने एवं पहचान पत्र में ब्लड ग्रुप अंकित होना सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। सफाई कर्मियों को उपलब्ध कराए जाने वाले सेफ्टी किट, मास्क, ग्लव्स सहित अन्य उपकरणों की जानकारी लेने के क्रम में श्रीमती पवार ने वरीय अधिकारियों को नियमित रूप से इनकी जांच करने एवं बिना सुरक्षा सुनिश्चित किया किसी भी सफाई कर्मी को कार्य न करने देने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान श्रीमती पवार ने श्रम अधीक्षक, रामगढ़ को सभी सफाई कर्मियों का निबंधन कराते हुए उन्हें लेबर कार्ड उपलब्ध कराने सहित अन्य योजनाओं के लाभ से लाभान्वित करने हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। कार्य को अच्छी तरह से पूर्ण करने के उद्देश्य से श्रीमती पवार ने रोस्टर के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर सफाई कर्मियों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने व उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान श्रीमती पवार ने कहा कि उनके दौरे का उद्देश्य केवल यही है कि कई बार सफाई कर्मियों की समस्याओं का निस्तारण काफी आसानी से संभव हो सकता है पर सफाई कर्मी अधिकारियों तक अपनी बात नहीं पहुंचा पाते। इस संबंध में श्रीमती पवार ने सभी अधिकारियों को और भी संवेदनशील होने एवं सफाई कर्मियों से जुड़े छोटे-छोटे मामलों को जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान श्रीमती पवार ने कई सफाई कर्मियों से लंबी चर्चा कर उनकी समस्याओं आदि की जानकारी ली जिसके उपरांत उन्होंने अधिकारियों को इसके निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए वहीं श्रीमती पवार बरसात के मौसम के मद्देनजर सांकेतिक रूप से विभिन्न सफाई कर्मियों के बीच रेनकोट का भी वितरण किया।

बैठक के उपरांत मीडिया प्रतिनिधियों से बात करने के दौरान श्रीमती पवार ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों से कहा कि आप सभी सफाई कर्मियों के जीवन को अच्छा बनाने में विभिन्न माध्यमों से अपना योगदान दे सकते हैं। इस दौरान उन्होंने सभी मीडिया प्रतिनिधियों से सफाई कर्मियों से जुड़े मामलों को प्रेस मीडिया के माध्यम से अधिकारियों तक पहुंचाने एवं सफाई कर्मियों की समस्याओं के निराकरण में अहम भूमिका निभाने की अपील की। इन सबके अलावा बैठक के दौरान श्रीमती पवार ने सफाई कर्मियों को मिलने वाले न्यूनतम मजदूरी दर में वर्तमान समय को ध्यान में रखते हुए बढ़ोतरी करने, सफाई कर्मियों के नियमितीकरण, आवश्यकता अनुसार और सफाई कर्मियों की प्रतिनियुक्ति आदि के संबंध में अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए योजनाबद्ध तरीके से इस संबंध में कार्य करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, सिविल सर्जन, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

रामगढ़ महिला महाविद्यालय में सिर्फ कला और वाणिज्य में आवेदन करें : प्राचार्या

PHOTON NEWS RAMGARH: रामगढ़ जिले का एकमात्र अंगीभूत महिला महाविद्यालय जो फिलहाल रामगढ़ महाविद्यालय में संचालित है। नामांकन के लिए आवेदन प्रारंभ होते देख महिला महाविद्यालय के शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मियों की एक आवश्यक बैठक प्राचार्या प्रोफेसर सरिता सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक चार वर्षीय कोर्स सत्र 2023-27 में नामांकन के लिए खुलने वाले पोर्टल के विषयों और महाविद्यालय की सुविधाओं पर गहन विचार विमर्श करते हुए कुछ आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक के बाद प्राचार्या प्रोफेसर सरिता सिंह ने कहा कि 4 वर्षीय स्नातक में नामांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जो आवेदन पोर्टल खुला है उसमें विज्ञान के विषयों के लिए भी आवेदन करने का विकल्प मिल रहा है लेकिन रामगढ़ महिला महाविद्यालय में प्रयोगशाला तथा शिक्षकों की व्यवस्था नहीं होने के कारण इन विषयों की कक्षाएं नहीं ली जा सकती है। अतः छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विज्ञान के विषयों पर आवेदन ना करें अगर कला और वाणिज्य के विषयों पर आवेदन करना चाहते हैं तो इन विषयों पर आवेदन किया जा सकता है। आज की बैठक में प्राचार्या प्रो सरिता सिंह, वर्सर डॉ राजेश कुमार उपाध्याय, प्रो बीरबल महतो,अर्चना कुमारी, विजय कुमार, सरयू महतो, वीरेंद्र उरांव शामिल थे।

बैठक में शामिल प्राचार्या सरिता सिंह व अन्य कर्मी ● फोटोन न्यूज

स्वास्थ्य समृद्धि वाहन परियोजना के तहत पतरातू प्रखंड में हुआ शिविर का आयोजन

PHOTON NEWS RAMGARH: रामगढ़ः रामगढ़ जिला अंतर्गत सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के कुपोषित बच्चों के पोषण स्थिति में सुधार के मद्देनजर जिला प्रशासन रामगढ़ की पहल के अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य समृद्धि वाहन परियोजना के तहत बुधवार को कोतो व पालू पंचायत में शिविर के पहले दिन आसपास के क्षेत्रों के चिन्हित 82 कुपोषित बच्चों को तीन समय का पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया गया वही 28 ग्रामीणों को टेलीमेडिसिन सेवा भी उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य समृद्धि वाहन परियोजना को और भी प्रभावी बनाने एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के मद्देनजर टीम के द्वारा आसपास के घरों का भ्रमण कर लोगों टेलीमेडिसिन सहित सरकार की अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य समृद्धि वाहन की विशेषताएं

विस्तृत कवरेज

एक चालित वाहन से दो या दो से अधिक जगहों पर पोषण शिविर संचालित होगा। समय और धन बचाने के उदेश्य से निर्मित इस चालित वाहन से 30 मिनट के अंतराल पर भोजन एवं अन्य सामाग्री दो या दो अधिक शिविर स्थान पर पहुचई जा सकेगी।

भंडार कक्ष

यह वाहन भंडार कक्ष का भी कार्य करेगी इसमे विभिन्न आकार की संद्रखें और दराज है जिसमे पोषण शिविर की समग्रियों का सुरक्षित भंडारण किया जाएगा।

कार्य

यह वाहन शिविर कर्मियों को सुदूर ग्रामीण क्षेत्र तक ले जाने मे सहयोग करेगी। केंद्रीय कृत निगरानी वाहन में लगे क्लाउड वेस्ड कैमरे द्वारा शिविर के प्रतेक गतिविधियों की निगरानी रखी जाएगी।

लक्षित समूह

उम्र के सापेक्ष में कम वजन वाले अति कुपोषित बच्चे एवं उनके अभिभावक अधिकतम 40 कुपोषित बच्चे प्रत्येक शिविर में लाभान्वित होंगे

सेवाएं

चलित कुपोषण उपचार वाहन द्वारा दो तरह की सुविधाएं दी जाएंगी।

नियमित भोजन

कुपोषित बच्चों को उम्र के हिसाब से उपायुक्त पौष्टिक भोजन दिन में तीन बार दिया जाएगा यह भोजन विशेषज्ञ की देखरेख में बनाया जाएगा।

टेलीमेडिसिन

यह मेडिकल वैन रोस्टर के अनुसार गांव- गांव जाएगी और कुपोषित बच्चों के साथ- साथ वयस्कों के लिए टेलीमेडिसिन पर काम करेगी।

जेएसपी फाउंडेशन ने सात चिन्हित मोतियाबिंद के मरीजों का कराया निःशुल्क ऑपरेशन, ग्रामीणों में हर्ष, जताया आभार

PHOTON NEWS BHURKUNDA: जेएसपी फाउंडेशन पतरातू ने अपने दृष्टि कार्यक्रम के तहत आंखों की जांच के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को सदर अस्पताल रामगढ़ के माध्यम से ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की है। जहां निजी अस्पतालों में मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 25,000 से 30,000 रुपये लिए जाते हैं वही जेएसपी फाउंडेशन द्वारा यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करवाया गया। पतरातू ब्लॉक के 3 गांव देवरिया, रसदा एवं पलानी से कुल 7 ग्रामीणों को यह सुविधा दिलाई गई है। मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने वालो में भूपेन्द्र साव, तारो देवी, सलवा देवी, कारी देवी, सुशीला देवी, शोबतिया देवी एवं शबनम परवीन शामिल हैं। सफल ऑपरेशन के बाद ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों ने जेएसपी फाउंडेशन के प्रति आभारत व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य सुविधाओं का पूरा ख्याल कंपनी रखती है। बताया गया कि ऑपरेशन से पूर्व जेएसपी फाउंडेशन पतरातू ने निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। जिसमें 200 से अधिक ग्रामीणों के आंखों की जांच की गई। जिसमें चिन्हित मोतियाबिंद मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडेशन के रवि निवास, कुमार राहुल, डॉ. मंजू मिश्रा, रश्मिता दास, सुरेंद्र कुमार, प्रदीप प्रजापति, प्रयाग मुंडा, फुलेश्वर महतो, प्रकाश कुमार, सविता देवी, हेमंती देवी, शिवानी देवी, बृजन मुंडा आदि का योगदान रहा।

सफल ऑपरेशन के बाद जेएसपी फाउंडेशन के प्रति आभार जताते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

सौंदा डी पंचायत में सोना सोबरन योजना के तहत लाभुको के बीच धोती-साड़ी का हुआ वितरण

PHOTON NEWS BHURKUNDA: सौंदा डी पंचायत में झारखण्ड सरकार के सोना सोबरन योजना के तहत बुधवार को दर्जनों लाभुकों के बीच धोती-साड़ी व लूंगी का वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत सौंदा डी पंचायत के हुसैनीनगर स्थित जन वितरण प्रणाली के दुकानदार देवराज सिंह के दुकान में स्थानीय मुखिया उपेन्द्र शर्मा, विधायक प्रतिनिधि जयंत तुरी व पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्लू पांडेय द्वारा लाभुकों के बीच साड़ी-धोती व लूंगी का वितरण किया गया। मौके पर मुखिया उपेंद्र शर्मा ने कहा कि झारखंड सरकार के इस योजना से क्षेत्र के लाभुक काफी लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना के तहत वर्ष में दो बार मात्र 20 लेकर साड़ी व धोती जन वितरण प्रणाली के डीलर के माध्यम से दिया जाता है। उन्होंने कहा की सभी पीएच एवं ग्रीन राशन कार्डधारियों को धोती-साड़ी एवं लुंगी का लाभ दिया जायेगा। मौके पर वार्ड सदस्य सुबोध रजक, स्वयंसेवक संतोष रजक, समाजसेवी राजकुमार रवि, राजू करमाली सहित दर्जनों लाभुक मौजूद थें।

साड़ी-धोती व लुंगी का वितरण करते मुखिया उपेंद्र शर्मा व विधायक प्रतिनिधि ● फोटोन न्यूज

अधिनियम 2019 तथा झारखंड अविनियमित जमा योजनाओं पर प्रतिबंध नियम 2022 की जानकारी को लेकर प्रमंडलस्तरीय संवेदीकरण कार्यक्रम

पलामू में नॉन बैंकिंग कंपनियों की ठगी के खिलाफ कानूनी प्रावधानों की दी जानकारी

PHOTON NEWS PALAMU: अविनियमित जमा योजनाओं पर प्रतिबंध अधिनियम 2019 तथा झारखंड अविनियमित जमा योजनाओं पर प्रतिबंध नियम 2022 की जानकारी को लेकर प्रमंडलस्तरीय संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयुक्त मनोज जायसवाल ने कहा कि आम जनता की मेहनत की कमाई की बचत के पैसे हड़पने वाली तथाकथित अनाधिकृत नॉन बैंकिंग कंपनियों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान राज्य सरकार द्वारा किए गए हैं। इसके विनियमन के लिए सरकार द्वारा संबंधित प्रमंडल के आयुक्त को सक्षम प्राधिकार नामित किया गया है। संबंधित जिलों के उपायुक्त सक्षम प्राधिकार के सहायक पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे किसी भी मामलों के पीड़ित व्यक्ति प्रमंडलीय आयुक्त या संबंधित जिलों के उपायुक्त के समक्ष शिकायत कर सकते हैं। आयुक्त ने कार्यक्रम में उपस्थित पलामू प्रमंडल के तीनों जिले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को कहा

कि वे अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें। इस संबंध में शिकायत मिलने पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित किया जाए। वित्त विभाग के संयुक्त सचिव अखौरी शशांक सिन्हा ने अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि फर्जी प्रचार के जरिए अधिक लाभ का प्रलोभन देकर अविनियमित कंपनियां आम निवेशकों से पैसे जमा कराती है, तो उस स्थिति में कम-से-कम 2 साल से लेकर 7 साल की सजा एवं अधिकतम 3 लाख से लेकर 10 लाख तक जुमार्ने का प्रावधान है। ऐसी अविनियमित कंपनियां प्रलोभन के उद्देश्य से फर्जी स्कीम का प्रचार-प्रसार भी कराएंगी, तो कम-से-कम 1 साल की सजा एवं 2 लाख रुपये जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। अधिकतम 5 साल की सजा और 10 लाख तक जुमार्ना भी हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब ऐसे मामलों में पुलिस के द्वारा आईपीसी की धाराओं के साथ-साथ बनिंग ऑफ अनरिकवार्ड डिपॉजिट स्कीम्स एक्ट के तहत भी कार्रवाई किए जाने का प्रावधान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप प्रदत्त शक्तियों, कार्यों एवं दायित्वों की जानकारी दी। कार्यक्रम में वित्त विभाग मुख्यालय, रांची की टीम ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से इस अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी।

खुले में मांस की बिक्री पर रोक का आरएमसी का आदेश खारिज

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को स्लॉटर हाउस का संचालन शुरू कराने, खुले में मांस बेचने और काटने के खिलाफ नगर निगम के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुना दिया है। हाई कोर्ट ने रांची नगर निगम के आदेश को खारिज करते हुए कहा है कि निगम द्वारा जारी आदेश में सरकार का अनुमोदन प्राप्त नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इसके लिए सरकार जल्द रेगुलेशन बनाए। बिना नियम अनुसार राजधानी में चल रहे अवैध बूचड़खानों पर लगाम लगाने को लेकर पूर्ववर्ती सरकार ने कांके में एक स्लॉटर हाउस का निर्माण कराया था। साथ ही शहर में मौजूद सभी दुकानदारों को यह निर्देशित किया था कि सभी दुकानदार नियम का पालन करते हुए खुले में मांस नहीं बेचेंगे और अवैध बुचड़खाने संचालित नहीं किए जाएंगे। नियम पालन नहीं होता देख अदालत में याचिका दाखिल की गई थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया।

BRIEF NEWS

बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ का जत्था पहुंचा सुईया पहाड़

JAMSHEDPUR : बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ का जत्था सुल्तानगंज से जल लेकर आधी दूरी पार कर सुईया पहाड़ पहुंच चुका है। इसकी जानकारी संघ के अध्यक्ष विकास सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि भक्तों का जत्था सुईया पहाड़ में पर्यटन विभाग के द्वारा बनाए गए विश्राम गृह तक पहुंच गए है। जहां सारे भक्त दोपहर का भोजन कर विश्राम किया। पर्यटन भवन में बाबा बैधनाथ सेवा संघ के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन बांका जिले के मजिस्ट्रेट प्रशांत भारती ने किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक विकास सिंह ने बताया कि सारे कांवरिया स्वस्थ है ,समय समय में उनके स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। विकास सिंह ने कहा शाम का पड़ाव अबरखिया के बंका जी के धर्मशाला में है। जहां शिव तांडव, पिचास नृत्य का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया भागलपुर, मुंगेर और बांका जिले के प्रशासन का सहयोग काफी मिल रहा है। तीनों जिले के अधिकारी लगातार संपर्क बनाकर सारी समस्या का समाधान करवा रहे हैं।

करीम सिटी कॉलेज के बीबीए में एडमिशन शुरू

JAMSHEDPUR : करीम सिटी कॉलेज (साकची कैंपस) में अन्य पाठ्यक्रमों के अलावा बीबीए की पढ़ाई भी इस नए सत्र से प्रारंभ हो रही है जिसमें नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह कोर्स (FYUGP) के तहत 4 सालों का होगा जिसमें किसी भी बोर्ड से आई ए/आई एस सी/ आई कौम का कोई भी छात्र नामांकन करा सकता है जिसने इंटरमीडिएट या उसकी समकक्ष परीक्षा में 45% अंक प्राप्त किया हो। उपरोक्त बातें हैं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज ने अपने महाविद्यालय के शिक्षकों की एक बैठक में बतायीं। उन्होंने कहा किस शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के साथ साथ वोकेशनल कोर्सेज की तरफ भी मेरा विशेष ध्यान है क्योंकि आज के युग में पढ़ने पढ़ाने का उद्देश्य बदल चुका है। आज की शिक्षा तो ऐसी होनी चाहिए जिसमें ज्ञान के साथ-साथ रोजगार की भी संभावनाएं हों। उन्होंने बताया कि हमने इसके लिए बहुत ही योग्य शिक्षकों की व्यवस्था कर रखी है तथा हमारा विशेष ध्यान इस बात पर भी है कि इस कोर्स के करने के बाद हमारे विद्यार्थियो का कैंपस सेलेक्शन भी सुनिश्चित हो सके। इस बैठक में बीबीए के इंचार्ज आफताब आलम ने रोजगार के क्षेत्र में संभावनाओं पर प्रकाश डाला और इस कोर्स को विद्यार्थियों के लिए लाभकारी बताया।

KU : प्रथम सेमेस्टर के छात्र 29 तक ऑनलाइन कर सकेंगे सुधार

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को बड़ी राहत दी है। इसके तहत प्रथम सेमेस्ट के लिए जिन छात्रों ने परीक्षा फार्म भरा है अगर उनसे विषय चयन या व्यक्तिगत जानकारी भरने में कोई गलती हुई है तो वे इसमें सुधार कर सकते हैं। विवि की ओर से जारी सूचना के तहत कोल्हान विवि की वेबसाइट www.kolhanuniversity.ac.in पर जाकर 19 व 29 जुलाई तक अपने परीक्षा फार्म में सुधार कर सकते हैं। विवि की ओर से कहा गया है कि संबंधित डिटेल सही से भरने के बाद ही उन्हें आईडी कार्ड इशू किया जाएगा। इसके साथ ही सभी छात्रों ने अपना यूजर आईडी व पासवर्ड किसी दूसरे छात्र से शेयर नहीं करने की बात कही गयी है। विदित हो कि यूपी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा अगले महीने शुरू होनी है।

टाटा समूह ब्रिटेन में स्थापित करेगा गीगा फैक्ट्री : चंद्रशेखरन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टाटा संस ने बुधवार को यूके में सालाना 40 गीगावाट सेल का उत्पादन करने की क्षमता वाली एक वैश्विक बैटरी सेल गीगा फैक्ट्री स्थापित करने की घोषणा की। इस मौके पर टाटा संस के चेयरमैन एन चन्द्रशेखरन ने कहा कि टाटा समूह यूके में यूरोप की सबसे बड़ी बैटरी सेल विनिर्माण सुविधाओं में से एक संयंत्र स्थापित करेगा। टाटा समूह द्वारा बहु-अरब पाउंड का निवेश देश में अत्याधुनिक तकनीक लाएगा। जिससे मोटर वाहन क्षेत्र को इलेक्ट्रिक गतिशीलता बदलने में मदद मिलेगी। जो हमारे अपने व्यवसाय जगुआर लैंड रोवर द्वारा समर्थित है। इस रणनीतिक निवेश के साथ टाटा समूह प्रौद्योगिकी उपभोक्ता, आतिथ्य, इस्पात, रसायन और ऑटोमोटिव क्षेत्र में काम करने वाली हमारी कई कंपनियों के साथ-साथ यूके के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। उन्होंने सरकार को इसके लिए धन्यवाद दिया।

एन चन्द्रशेखरन की फाईल फोटो।

अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मिलेगी मदद

बैटरी गीगाफैक्ट्री गतिशीलता और ऊर्जा क्षेत्रों में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उच्च-गुणवत्ता, उच्च-प्रदर्शन, टिकाऊ बैटरी सेल और पैक का उत्पादन करेगी। अपनी लचीली विनिर्माण क्षमता के लिए कंपनी की रणनीतिक विकास योजनाएं तेजी से बढ़ने वाले चरण और 2026 में उत्पादन की शुरूआत के साथ शुरू होंगी। गीगाफैक्ट्री का इरादा 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा की महत्वाकांक्षा के साथ अपने नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण को अधिकतम करने का है। वहीं, यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि टाटा समूह का यूके में अपनी नई गीगाफैक्ट्री बनाने का निर्णय-भारत के बाहर उनका पहला ब्रिटेन में विश्वास का यह प्रतिक है। यह यूके ऑटोमोटिव क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े निवेशों में से एक होगा। यह न केवल देश भर में ब्रिटानियों के लिए हजारों कुशल नौकरियां पैदा करेगा, बल्कि यह इलेक्ट्रिक वाहनों के वैश्विक संक्रमण में हमारी बढ़त को भी मजबूत करेगा, जिससे भविष्य के स्वच्छ उद्योगों में हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अखिल झारखंड छात्र संघ का केंद्रीय अधिवेशन 8 अगस्त को, सुदेश महतो होंगे शामिल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : अखिल झारखंड छात्र संघ का केंद्रीय अधिवेशन सह मिलन समारोह जमशेदपुर में 8 अगस्त को होगा। इसमें आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो शामिल होंगे। इस आयोजन की जिम्मेदारी कोल्हान प्रमंडल कमिटी को दिया गया है।

कोल्हान अध्यक्ष हेमंत पाठक ने बताया अखिल झारखंड छात्र संघ का केंद्रीय सम्मेलन का जमशेदपुर की धरती पर होना बहुत खुशी की बात है यह ऐतिहासिक सम्मेलन होगा जहां छात्रों और युवाओं की हक की आवाज उठाई जायेगी। छात्र के अधिकारों से जुड़ी चीजों को हम अपने एजेंडा में लाएंगे और पूरे झारखंड में छात्रों की आवाज बनने कोशिश करेंगे।

इस कार्यक्रम के लिए स्थान की चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है 22 जुलाई को शहर के छात्र नेताओं को रांची केंद्रीय कार्यालय बुलाया गया है। जिसमें पूरे झारखंड के विश्वविद्यालय से छात्र नेता उपस्थित रहेंगे। कोल्हान में इस अधिवेशन की तैयारी युद्ध स्तर पर प्रारंभ हो गया है, यह अधिवेशन देखने लायक होगा। बैठक में इस बैठक में जिलाध्यक्ष जगदीप सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष साहेब बगती, कोल्हान वरीय उपाध्यक्ष राजेश महतो, सैकेत सरकार, कामेश्वर प्रसाद, बिस्टूपुर मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण बाग, इत्यादि उपस्थित थे।

प्रकृति-पर्यावरण व साहित्य एक दूसरे के पूरक : डॉ. अमर सिंह

पौधा रोपण करते लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : को- ऑपरेटिव कॉलेज जमशेदपुर में हिन्दी विभाग के तत्वावधान में प्रकृति, पर्यावरण और साहित्य विषय पर बुधवार को एक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कोल्हान विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका प्रो. डॉ. मुदिता चन्द्रा उपस्थित थी।

कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय प्रांगण में प्रो. डॉ. मुदिता चन्द्रा द्वारा वृक्षारोपण कराके किया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने कहा कि प्रकृति, पर्यावरण और साहित्य एक दूसरे के पूरक हैं। इसके बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। इस अवसर पर डॉ. अंतरा कुमारी द्वारा पर्यावरण और साहित्य के संबंध के बारे में चर्चा की गयी।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. मुदिता चन्द्रा ने अपने संबोधन में ज्ञान-विज्ञान, प्रौद्योगिकी की नित नई उपलब्धियों के दौर में पर्यावरण-प्रकृति के संरक्षण की बातें कहीं। उन्होंने कहा कि साहित्य और साहित्यकार का प्रकृति-पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराया। उन्होंने मैं की आत्मकेन्द्रित परिधि से बाहर निकलकर हम की भावना में बंधने का पाठ पढ़ाया।

प्राचार्य, डॉ अमर सिंह ने साहित्य तथा प्रकृति के संबंध की व्याख्या करते हुए उपस्थित जनों को प्रकृति-पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के कई छात्र छात्राएं शामिल थे। मंच का संचालन डॉ. पुष्पा सिंह तथा डॉ. प्रियंका सिंह ने किया। कार्यक्रम प्रबंधन का कार्य शोभा देवी तथा धन्यवाद ज्ञापन सबिता पॉल ने दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अमर सिंह, आई.क्यू.ए.सी. की को-आर्डिनेटर डॉ.नीता सिन्हा अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अंतरा कुमारी, वाणिज्य विभाग के डॉ. ए.के. रवानी, डॉ. रूचिका तिवारी, डॉ. दुर्गा तामसोय, डॉ.अंशु श्रीवास्तव, डॉ. कुमारी भारती, ब्रजेश कुमार, डॉ. पुष्पा तिवारी, डॉ. स्वरूप मिश्रा, के. ईश्वर राव उपस्थित थे।

आवास कर्मी संघ ने डीसी को सौंपा ज्ञापन सिराज के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग

PHOTON NEWS CHAIBASA : तीन दिवसीय कलम बंद हड़ताल के अंतिम दिन यानि बुधवार को आवास कर्मी संघ चाईबासा के कर्मियों ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया कि भवनाथपुर जिला गढ़वा प्रखंड के मृतक मोहम्मद सिराज की निर्मम हत्या के आलोक में यथाशीघ्र हत्यारों की गिरफ्तारी की जाए। साथ ही मृतक के परिजन को ?2000000 मुआवजा दिया जाए। मृतक के परिवार को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दिया जाए।

उपायुक्त को ज्ञापन देते आवास कर्मी संघ के लोग। ● फोटोन न्यूज

ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा आवास कर्मियों की नियुक्ति संविदा के आधार पर की गई है इसे राज्य स्तरीय प्रशासी पदवर्ग समिति से स्वीकृति कराया जाए। कर्मियों के लिए नियमावली बनाया जाए। आवास कर्मियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए सेवा अवधि विस्तार 60 वर्ष तक की जाए एवं वित्त विभाग के संकल्प के आधार पर आवास कर्मियों को सातवें वेतनमान के आधार पर सम्मानजनक मानदेय दिया जाए। आवास कर्मियों को ईपीएफ का लाभ दिया जाए। यह भी कहा गया कि स्वास्थ्य बीमा एवं दुर्घटना बीमा का भी लाभ दिया जाए एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना अंतर्गत आवास कर्मियों के लिए प्रशासनिक मद का निर्धारण 10% किया जाए। मौके पर आवास कर्मी संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत कुजुर, सचिव शीतल बागे, जिला समन्वयक सरफराज आलम एवं संघ के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

फोस्टर केयर के तहत दो अनाथों को मिला परिवार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय में एक कार्यक्रम आयोजित कर दो अनाथ बच्चों को परिवार के सुपुर्द किया गया। उप विकास आयुक्त संदीप बख्शी की मौजूदगी में बालगृह (बालकुंज) से अनाथ एक बालक को फोस्टर केयर योजना से जोड़ा गया। वहीं, झींकपानी प्रखंड से एक अनाथ बालिका को भी फोस्टर योजना के तहत नया परिवार मिला। बालक के देखभाल हेतु चाईबासा स्थित टुंगरी निवासी दंपति तथा बालिका के लिए झींकपानी स्थित रेलवे कर्मचारी का विधिवत चयन किया गया। उक्त दोनों बच्चे नया परिवार पाकर काफी खुश दिखे। उप विकास आयुक्त के द्वारा दोनों परिवारों को बच्चों की देखभाल की जिम्मेवारी लेने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई तथा कार्यालय स्तर से भी बच्चों का अनुश्रवण करने के लिए संलग्न पदाधिकारी, कर्मी को सूचित किया गया।

फोस्टर केयर योजना के तहत दी जाती है जिम्मेदारी

उल्लेखनीय है कि फोस्टर केयर के तहत 6 वर्ष से लेकर 18 आयु वर्ग के किसी भी परिवार विहीन बच्चों को इच्छुक परिवार जो बच्चे को अल्पकालिक अवधि के लिए पालन पोषण हेतु रखना चाहते हैं, उनको ऐसे बच्चे बाल कल्याण समिति तथा जिला बाल संरक्षण कार्यालय में आवेदन उपरांत समुदाय और बालगृह से सूचीबद्ध बच्चों को सौंपा जाता है। पूर्व में भी ऐसे ही सोनुवा और मनोहरपुर प्रखंड में अनाथ और बेसहारा चार बच्चों की देखभाल विभिन्न परिवारों के द्वारा की जा रही है। इस मौके पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनीता तिवारी, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सनातन तिरिया, पीएलवी रेणु देवी सहित अन्य मौजूद थे।

XLRI में भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर व फिनटेक पर होगा मंथन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआई पीजीडीएम (जीएम) की ओर से 22 जुलाई को री-एनविजन 2023 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर व फिनटेक विषय पर मंथन किया जायेगा। दो सत्र में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

सत्र की शुरूआत एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज, एस जे द्वारा दीप प्रज्वलित कर की जायेगी। वहीं, इस सत्र के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में रिवोल्यूट कंपनी में भारत के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर परोमा चटर्जी मौजूद रहेंगी। इस कॉन्क्लेव में इस बात पर मुख्य रूप से चर्चा की जायेगी कि आखिर किस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर व फिनटेक का अहम योगदान है।

इस दौरान पैनल डिस्कशन व अलग-अलग माध्यम से इस बात की भी चर्चा होगी कि डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर किस प्रकार व्यक्तिगत व संस्थागत बिजनेस को बढ़ाने में कारगर साबित हो रही है। इस दौरान भारतपे, बार्कलेज इंडिया, इंडिया पोस्ट पेमेंट समेत कई अन्य अग्रणी कंपनियों के अधिकारी अपनी बातों से सभी को अवगत कराएंगे। पहले सत्र में क्या भारतीय फिनटेक दुनिया को जीतने को तैयार है, विषय पर पैनल डिस्कशन के माध्यम से अपनी बातों को रखेंगे। जबकि दूसरे सत्र में सभी वक्ता इंडियन डिजिटल इकोनॉमीः द गोल्डेन एज ऑफ इंडिया विषय पर अपनी बातों को प्रस्तुत करेंगे।

वर्कर्स कॉलेज में अग्निवीर योजना आधारित कार्यक्रम आयोजित, छात्रों को चयन प्रक्रिया की दी गयी जानकारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : वर्कर्स महाविद्यालय जमशेदपुर में भारतीय वायु सेना द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत प्रिंसिपल डॉ एसपी महालीक ने अभिभाषण से हुआ। इसके बाद वायु सेना के अधिकारी बंजर मनोज एस ने अग्निवीर योजना के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें भर्ती प्रक्रिया के बारे में भी बताया। साथ ही साथ विद्यार्थियों में देश की सेवा की भावना को जाग्रत किया। भविष्य में उसके फायदे के बारे में भी बताया और साथ ही साथ विद्यार्थियों को वायु सेना में भर्ती हेतु प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम के दौरान वायु सेना से संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछा गया जिसका उत्तर विद्यार्थियों ने दिया और सही उत्तर देने के लिए उन्हें वायु सेना के अधिकारियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थे। हिंदी विभाग से प्रो कंचन गिरि, इतिहास विभाग से प्रो. नूतन रानी प्रो. श्वेता कुमारी, प्रो. प्रियंका कुमारी, उर्दू विभाग से प्रो. शाहिना नाज आदि उपस्थित थे।

कोऑपरेटिव कॉलेज में छात्रों को अग्नवीर चयन प्रक्रिया की जानकारी दी गयी : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में प्लेसमेंट सेल के द्वारा भारतीय वायु सेना के रिक्रूटमेन्ट आफिसर-मनोज बंजारा तथा बिपिन डोगरा द्वारा अग्निवीर में बहाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसमें छात्र-छात्राओं को इसके चयन की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं व उनकी प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में प्लेसमेंट सेल की को-आर्डिनेटर-डॉ अंतरा कुमारी, एनसीसी के सीटीओ-स्वरूप कुमार मिश्रा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ दुर्गा तामसोय आदि उपस्थित थे।

पाण्डव चरित्र एवं भगवान शुकदेव आगमन रहा द्वितीय दिवस कथा का मुख्य प्रसंग

आप सत्य के मार्ग पर चलो, प्रभु आपके साथ चलेंगे : DR. SANJIV KRISHNA THAKUR

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जुगसलाई श्री राजस्थान शिव मंदिर में सप्ताह व्यापी श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन बुधवार को श्रीधाम वृंदावन से पधारे गौभक्त डॉ. संजीव कृष्ण ठाकुर जी महाराजश्री ने व्यास पीठ से पाण्डव चरित्र, राजा परीक्षित श्राप एवं भगवान शुकदेव आगमन कथा के प्रसंग का सुंदर व्याख्यान किया। जिसे सुनकर श्रोता भाव विभोर हो उठे।

द्वितीय दिवस कथा प्रसंग में महाराज जी ने बताया कि जब आप धर्म अथवा सत्य के मार्ग पर होते हैं तो आपके जीवन में अनेक विघ्न, बाधाएं उपस्थित हो जाती हैं। कुछ लोग उन विघ्न, बाधाओं से बचने के लिए असत्य का वरण कर लेते हैं पर जिन लोगों द्वारा उन विपरित परिस्थितियों में भी सत्य का दामन नहीं छोड़ा जाता है फिर उनका हाथ हमारे प्रभु द्वारा भी पकड़ लिया जाता है। जो सत्य का मार्ग का अनुगामी है, उसका साथ प्रभु द्वारा कदम - कदम पर दिया जाता है, यही सत्य मार्ग पर चलने वाले पाण्डवों के जीवन से हमें सीख मिलती है।

कथा सुनति महिलाए तथा इनसेट में कथा वाचक गौभक्त डॉ. संजीव कृष्ण ठाकुर। ● फोटोन न्यूज

महाराजश्री ने कहा कि सत्य की राह पर चलने वाले को परम सत्य का संग अवश्य मिल जाता है। दुख में ईश्वर ही व्यक्ति के साथ होता है। इसलिए दुख आने पर भक्त घबराता नहीं। महाराजश्री ने भगवान शुकदेव आगमन कथा की प्रसंग विस्तार से सुनाते हुए कहा कि क्रमिक मुनि के पुत्र द्वारा दिये गये श्राप की जानकारी मिलने पर राजा परीक्षित ने विद्वानों को अपने दरबार में बुलाया और उनसे राय मांगी। उस समय विद्वानों ने उन्हें शुकदेव का नाम सुझाया और इस प्रकार शुकदेव का आगमन हुआ।

महाराज ने भागवत महात्म्य पर विस्तृत चर्चा की। कथा विश्राम के बाद यजमान गढ़वाल परिवार ने व्यासपीठ की आरती उतारी। मालीराम और घनश्याम दास गढ़वाल परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा में बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पधारे प्रभु कथा प्रेमियों द्वारा कथा रसामृत का आस्वादन कर अपने समय एवं जीवन को सफल बनाया गया।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पांच छात्रों को डेंगु, हड़कंप

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में डेंगू तेजी से बढ़ रहा है। एमजीएम मेडिकल कालेज के पांच छात्र-छात्राएं डेंगू के चपेट में आ गए हैं। इससे पूरे कालेज में हड़कंप मचा हुआ है। कालेज के प्रिंसिपल डा. केएन सिंह ने इसे लेकर बुधवार को सभी चिकित्सक व वार्डेन के साथ बैठक की और लेकर विशेष दिशा-निर्देश जारी किया है। वहीं, प्रिंसिपल खुद भी सभी हॉस्टलों का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान जहां-जहां गंदगी मिला उसे तत्काल हटाने का निर्देश दिया।

कालेज परिसर में स्थापित गर्ल्स व ब्वॉज हास्टल के कुल पांच छात्र-छात्राएं डेंगू से पीड़ित हो गए हैं। जांच में पुष्टि होने के बाद उनपर विशेष नजर रखी जा रही है। उनका इलाज हॉस्टल में ही रखकर किया जा रहा है। छात्रों को बुखार के साथ-साथ बदन दर्द की शिकायत है। इधर, बुधवार को शहर में डेंगू के दो और संदिग्ध मरीज मिले। इसमें एक मर्सी व दूसरा का इलाज गुरुनानक हास्पिटल में चल रहा है। दोनों का नमूना लेकर जांच के लिए एमजीएम मेडिकल कालेज के लैब में भेजा गया है। जिले में अभी तक कुल 35 डेंगू मरीजों की पुष्टि हो चुकी है।

डेंगू का लक्षण:

- डेंगू के लक्षण को नजरअंदाज नहीं करें।
- अगर आपके शरीर में तेज सिरदर्द और बुखार हो तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर दिखाएं।
- मांसपेशियों व जोड़ों में अधिक दर्द होना भी डेंगू का लक्षण है।
- बरसात के मौसम में आंखें लाल कई कारणों से होता है। इसमें एक डेंगू भी शामिल है।
- उल्टी व जी मिचलना भी डेंगू का लक्षण है।
- दस्त होने के साथ-साथ चमड़े पर लाल-लाल दाने हो जाना

घटती गरीबी

नीति आयोग ने 2015-16 से 2019-21 के बीच देश में बहुआयामी गरीबी से निपटने में मिली सफलता की जो तस्वीर पेश की है, वह यकीनन खुश करने वाली है। इस दौरान न सिर्फ 13.5 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से ऊपर उठे, बल्कि संतोषजनक बात यह है कि बीमारू माने जाने वाले राज्यों, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने इस दौरान सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। साल 2015-16 में 24.9 प्रतिशत लोग बहुआयामी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे थे, पर 2019-21 में यह आंकड़ा घटकर 15 फीसदी रह गया। बमुश्किल एक हफ्ता बीता होगा, जब यूएनडीपी और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक अध्ययन रिपोर्ट ने बताया था कि पिछले पंद्रह वर्षों में करीब 41.5 करोड़ भारतीयों को बहुआयामी गरीबी से निजात दिलाने में भारत कामयाब रहा। नीति आयोग के इंडेक्स में यूएनडीपी की रिपोर्ट के संकेतकों को तो आधार बनाया ही गया, दो अन्य संकेतक भी उनमें जोडे. गए- बैंक खातों तक पहुंच और मातृत्व स्वास्थ्य। जाहिर है, ये आंकड़े बता रहे हैं कि देश की आर्थिक उन्नति का लाभ हाशिये के लोगों तक पहुंच रहा है। निस्संदेह, यह एक सुचिंतित आर्थिक नीति की उपलब्धि है। पिछली सदी के आखिरी दशक में उदारीकरण के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था ने जो उड़ान भरी थी, उसका लाभ अब जमीन पर साफ-साफ दिखने लगा है, मगर हम इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं कर सकते कि अब भी 20 करोड़ से अधिक भारतीय बहुआयामी गरीबी-रेखा के नीचे जी रहे हैं, जो एक विशाल संख्या है और दुनिया के कई बड़े देशों की जनसंख्या से अधिक है। नीति आयोग ने पांच वर्षों के दौरान गरीबी से मुक्ति के जो आंकडे.पेश किए हैं, उसे देखते हुए शेष आबादी को ऊपर उठाने में अधिक वक्त नहीं लगना चाहिए। हालांकि, सामाजिक-आर्थिक उन्नति का गणित इतना सरल होता नहीं है। फिर भी, सरकारों को अपने तईं प्रयास करने ही चाहिए कि जो लोग पीछे रह गए हैं, वे सभी बारह मानकों पर खरे उतर सकें। इन खुशनुमा तस्वीरों के बीच कुछ चुनौतियां भी हैं। राज्य सरकारों को अपने आर्थिक संतुलन का भी ध्यान रखना चाहिए। बेशक लोक-लुभावन नीतियों व कार्यक्रमों का लाभ अंततोगत्वा मध्यवर्ग और गरीबों को मिलता है, मगर उस लाभ की सार्थकता होनी चाहिए। आधारभूत संरचनाओं के विस्तार और संकटकालीन स्थितियों के मद्देनजर राज्यों को अपने-अपने खजाने की भी चिंता करनी चाहिए। सरकारों को यह ख्याल रखना चाहिए कि राजनीति वही सराही जाती है, जिसमें दूरदर्शिता होती है, और जिसकी निरंतरता को भंग करने का दुस्साहस प्रतिपक्ष भी न कर सके। इस समय लोक-लुभावन नीतियों का जो दौर चल पड़ा है, उससे कई राज्यों का आर्थिक संतुलन बिगड़ रहा है और नीति आयोग व वित्त आयोग उन्हें इस संदर्भ में लगातार आगाह भी करता रहा है। गरीबी उन्मूलन एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, इसमें सफलता हमें विकसित देशों की कतार में ले जाएगी। मगर यह भी ध्यान रखना होगा कि जिनको इस रेखा से ऊपर उठाया गया है, वे फिर से उसी खाई में न लुढ़कें।

एनडीए और इंडिया

बेंगलुरु में 26 विपक्षी दलों की बैठक और दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग यानी एनडीए के 38 घटक दलों की बैठक से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि दोनों पक्षों ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। यह समय ही बताएगा कि दोनों पक्षों के साथ जो दल खड़े हुए, वे लोकसभा चुनाव तक जहां हैं, वहीं बने रहेंगे या नहीं, क्योंकि अपने देश में अंतिम समय तक पाला बदलने का खेल चलता रहता है। बेंगलुरु में भाजपा के खिलाफ एकजुट हुए दलों ने अपने गठबंधन का नामकरण इंडिया यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस रखा। पता नहीं यह गठबंधन यूपीए यानी संप्रग जैसा होगा या नहीं, लेकिन इस नाम से यह संदेश देने का प्रयास अवश्य किया गया है कि विपक्षी दल भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कहना कठिन है कि विपक्षी दलों को इस नामकरण का कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा और वह जनता को कितना लुभाएगा। वैसे गठबंधन का नाम तय करना ही पर्याप्त नहीं। इसे कांग्रेस अध्यक्ष ने यह कहकर स्पष्ट भी किया कि इस गठबंधन की मुंबई में होने वाली अगली बैठक में एक 11 सदस्यीय समन्वय समिति बनेगी और दिल्ली में उसका एक कार्यालय भी बनेगा। यह साफ है कि समन्वय समिति का कोई अध्यक्ष भी बनेगा। इससे यह तय होगा कि गठबंधन की कमान किसके हाथ होगी। जिस तरह यह कहा गया कि गठबंधन का नाम राहुल गांधी ने सुझाया, उससे यही लगता है कि उन्हें गठबंधन के नेता के तौर पर आगे किया गया। यह भविष्य बताएगा कि क्या अन्य विपक्षी नेता राहुल गांधी को गठबंधन के नेता के तौर पर स्वीकार करेंगे? विपक्षी दल एकजुटता की चाहे जितनी बातें करें, उनके लिए गठबंधन का नेता यानी प्रधानमंत्री का चेहरा चुनना आसान काम नहीं होगा। उनके सामने एक चुनौती यह भी है कि वे किस एजेंडे और विमर्श के सहारे चुनाव मैदान में उतरेंगे। केवल यह कहने से काम चलने वाला नहीं है कि मोदी सरकार लोकतंत्र को कुचलने और संविधान को खत्म करने का जो काम कर रही है, उसके खिलाफ हम एकजुट होकर लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जहां विपक्ष के सामने खुद को एकजुट रखते हुए जनता का ध्यान खींचने वाले किसी वैकल्पिक एजेंडे के साथ प्रधानमंत्री के चेहरे को प्रस्तुत करने की चुनौती है, वहीं राजग के पास नरेन्द्र मोदी के रूप में प्रधानमंत्री का एक लोकप्रिय चेहरा है। उनकी लोकप्रियता भाजपा के लिए एक बड़ी ताकत है।

भारत में सुधारों की रफ्तार से 'लॉजिस्टिक्स' गुलजार

ANALYSIS

सुमिता डावरा

विश्व बैंक ने लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) से संबंधित 2023 की अपनी रिपोर्ट में लॉजिस्टिक्स से जुड़ी उन्नत दक्षता की दिशा में भारत द्वारा की गई प्रगति को स्वीकार किया है। विश्व बैंक की यह रिपोर्ट 139 देशों के एलपीआई के बारे में जानकारी साझा करती है और भारत को इस सूचकांक में 38वें स्थान पर रखती है, जोकि 2018 में हमारी रैंक की तुलना में छह स्थान ऊपर है। एलपीआई छह व्यापक मापदंडों पर आधारित गुणात्मक धारणाओं का एक सर्वेक्षण-आधारित प्रमाणीकरण है, जो सीमा शुल्क, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय लदान (शिपमेंट), लॉजिस्टिक्स संबंधी क्षमता एवं लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता, निगरानी एवं जानकारी जैसे पहलुओं पर विचार करता है। विश्व बैंक एक ऐसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदाहरण देता है, जिसने 2015 से देश के पूर्वी एवं पश्चिमी दोनों तटों पर स्थित बंदरगाहों को सुदूर इलाकों में स्थित आर्थिक केन्द्रों से जोड़ते हुए बुनियादी ढांचे एवं विभिन्न प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है।

भारत आज विकास की ऊंची उड़ान भरने को तैयार है। वैश्विक स्तर पर सभी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत की लॉजिस्टिक्स संबंधी रेटिंग बेहतर होते जाने के साथ-साथ लॉजिस्टिक्स से जुड़ी इसकी बाधाएं दूर होती जा रही हैं। मैन्यूफैक्चरिंग और व्यापार के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति बुनियादी ढांचे और निर्यात-आयात (एक्जिम) संबंधी लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने से संबंधित सुधारों के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। बुनियादी ढांचे को अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण विकास इंजन के रूप में पहचानते हुए, प्रधानमंत्री की गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति जैसे सुधारों ने सामानों एवं यात्रियों की आवाजाही के लिए लॉजिस्टिक्स से जुड़े बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स संबंधी सेवाओं में सुधार पर ध्यान केन्द्रित किया है। और बहुत ही कम समय में, इन सुधारों के परिणाम दिखाई देने लगे हैं। विश्व बैंक ने लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) से संबंधित 2023 की अपनी रिपोर्ट में लॉजिस्टिक्स से जुड़ी उन्नत दक्षता की दिशा में भारत द्वारा की गई प्रगति को स्वीकार किया है। विश्व बैंक की यह रिपोर्ट 139 देशों के एलपीआई के बारे में जानकारी साझा करती है और भारत को इस सूचकांक में 38वें स्थान पर रखती है, जोकि 2018 में हमारी रैंक की तुलना में छह स्थान ऊपर है। एलपीआई छह व्यापक मापदंडों पर आधारित गुणात्मक धारणाओं का एक सर्वेक्षण-आधारित प्रमाणीकरण है, जो सीमा शुल्क, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय लदान (शिपमेंट), लॉजिस्टिक्स संबंधी क्षमता एवं लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता, निगरानी एवं जानकारी जैसे पहलुओं पर विचार करता है। विश्व बैंक एक ऐसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदाहरण देता है, जिसने 2015 से देश के पूर्वी एवं पश्चिमी दोनों तटों पर स्थित बंदरगाहों को सुदूर इलाकों में स्थित आर्थिक केन्द्रों से जोड़ते हुए बुनियादी ढांचे एवं विभिन्न प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है। अन्य कारकों के अलावा, इस तरह के निवेश के कारण ही बंदरगाहों पर कंटेनरों के ठहराव के समय के मामले में भारत का प्रदर्शन कई विकसित देशों की तुलना में कहीं बेहतर है। मई से लेकर अक्टूबर 2022 के बीच, भारत में कंटेनरों के ठहराव का समय न्यूनतम 3 दिन था, जबकि संयुक्त अरब अमीरात एवं दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह समय चार दिन, अमेरिका के मामले में सात दिन और जर्मनी के मामले में 10 दिन था। विश्व बैंक की यह रिपोर्ट भारत को एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसने नेशनल लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीबीएसएल) जैसे डिजिटलीकृत प्लेटफॉर्म के उपयोग के जरिए आपूर्ति श्रृंखला में दृश्यता ला दी है। यह रिपोर्ट बताती है कि लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (एलडीबी) कैसे आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) टैग के उपयोग के जरिए भारत में एक्जिम कंटेनरों की आवाजाही की निगरानी करता है और उसके बारे में सटीक जानकारी रखता है, जिससे माल पाने वाले (कान्साइनी) के लिए अपनी आपूर्ति श्रृंखला की ह्यएक छोर से दूसरे छोर तक निगरानी (ऐंड-टू-एंड ट्रैकिंग) करना संभव हो जाता है। शुरू में माल की स्थिति का पता लगाने वाले (कार्गो ट्रेसिंग) इस प्रकार के तंत्र का शुभारंभ 2016 में देश के पश्चिमी तट पर किया गया था और आज इस तंत्र के दायरे में सभी प्रमुख बंदरगाह और निजी बंदरगाह आते हैं। भारतीय बंदरगाहों पर कंटेनरों के बेहतर ठहराव समय के लिए इसे श्रेय दिया जाता है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के संदर्भ में कहें तो माल की निगरानी (कार्गो ट्रैकिंग) व्यवस्था की शुरूआत के साथ, देश के पूर्वी तट पर स्थित विशाखापत्तनम बंदरगाह पर कंटेनरों के ठहराव का समय 2015 में 32.4 दिन से घटकर 2019 में 5.3 दिन रह गया। देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, भारत सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला पर निगरानी रखने के लिए एक डिजिटल प्रणाली के रूप में लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक प्रोजेक्ट (एलडीबी) का शुभारंभ किया था। एनएलडीबीएसएल को राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) और निप्पॉन इलेक्ट्रिक कंपनी (एनईसी) लिमिटेड नाम की जापानी कंपनी के बीच एक एसपीवी (विशेष प्रयोजन वाहन) के रूप में संचालित किया जाता है। एलडीबी, एक्जिम कंटेनर की आवाजाही के बारे में वास्तविक समय में विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु आपूर्ति श्रृंखला में कार्यरत विभिन्न एजेंसियों के पास उपलब्ध डिजिटल जानकारी को एकत्रित व व्यवस्थित करता है। यह प्लेटफॉर्म भारत के एक्जिम कंटेनर की शत-प्रतिशत मात्रा को संभालता है। इस पर एक मोबाइल ऐप के साथ-साथ एक पोर्टल के जरिए माल पाने वालों (कान्साइनी) के लिए जानकारी पाने की सुविधा उपलब्ध है। इस तरह, एलडीबी दृश्यता प्रदान करता है और भारत के कंटेनरीकृत एक्जिम लॉजिस्टिक्स से संबंधित बिग डेटा एनालिटिक्स को सक्षम बनाता है। जुलाई 2016 में अपना कामकाज शुरू करने बाद से, एलडीबी ने 60 मिलियन एक्जिम कंटेनरों की निगरानी की है। भारत के शत-प्रतिशत कंटेनरीकृत एक्जिम कार्गो की निगरानी करने और उनका पता लगाने के लिए आरएफआईडी, आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) और बिग डेटा एनालिटिक्स से संबंधित प्रौद्योगिकियों के संयोजन के साथ, एलडीबी ने प्रमुख भारतीय बंदरगाहों, सबसे व्यस्त टोल प्लाजा, लगभग 400 कंटेनर फ्रेट स्टेशनों (सीएफएस)/अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) और बंदरगाहों पर खाली यार्ड, विशेष आर्थिक क्षेत्रों और यहां तक कि नेपाल एवं बांग्लादेश की सीमाओं पर स्थित एकीकृत चेक पोस्ट के साथ भी तालमेल बिठाया है। आरएफआईडी से संबंधित आंकड़ों को हासिल करने के उद्देश्य से एसपीवी द्वारा माल ढुलाई के लिए सर्पित गलियारों (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर) सहित सभी प्रमुख सड़क एवं रेल मार्गों पर लगभग 3000 आरएफआईडी रीडर स्थापित किए गए हैं। एलडीबी हासिल एवं व्यवस्थित किए गए आंकड़ों का विभिन्न प्रकार से विश्लेषण करता है। इन विश्लेषणों में बंदरगाह पर कंटेनरों के ठहराव के समय की गणना, माल की आवाजाही के क्रम में होने वाले भीड़भाड़ का विश्लेषण, कंटेनर की आवाजाही की गति का विश्लेषण, प्रदर्शन संबंधी मानदंड, आवागमन में लगने वाले समय का विश्लेषण (बंदरगाह से सीएफएस या इसके उलट) आदि शामिल है। ये विश्लेषण मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक आधार पर किए जाते हैं और सभी संबंधित मंत्रालयों, बंदरगाह के प्राधिकारियों, टर्मिनल के संचालकों, सीमा - शुल्क से जुड़ी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ साझा किए जाते हैं। दूसरी ओर, संबंधित एजेंसियों द्वारा कठिनाई पैदा करने वाले बिंदुओं और सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों की पहचान करने हेतु नियमित विश्लेषणों का उपयोग किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों के एलडीबी के आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि कंटेनरों की निकासी मामले में आईसीडी और सीएफएस के प्रदर्शन में सुधार के अलावा कंटेनर को संभालने से जुड़े प्रदर्शन, सड़क मार्ग से गुजरने वाले कंटेनरों की निकासी, प्रमुख राजमार्गों पर कंटेनर की गति के मामले में भी सुधार हुआ है। दिल्ली-मुंबई मार्ग और मुंद्रा बंदरगाह को जोड़ने वाले मार्ग जैसे प्रमुख राजमार्गों पर कंटेनर की गति भी 2018 की तुलना में बेहतर हुई है। आज, एलडीबी ने दक्षता के साथ सीमा पार व्यापार को सुनिश्चित करने के लिए न केवल नेपाल एवं बांग्लादेश की सीमाओं तक अपनी सेवाओं का विस्तार किया है, बल्कि वह भारत के एक्जिम कंटेनरों की आवागमन के दौरान ठहराव वाले पहले अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह तक निगरानी रखने के लिए समुद्री ट्रैकिंग प्रणाली का भी उपयोग करता है। इसके अलावा, हमारे एफटीए को समान अंतरराष्ट्रीय प्रणालियों के साथ एकीकृत करके लाभ उठाने की संभावना तलाशना हमारे आगे के कदमों का हिस्सा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्यात कंटेनर पूरी दक्षता के साथ अंतिम गंतव्य तक पहुंचें और इससे हमारे व्यापार को बढ़ावा मिले।

लेखिका, भारत सरकार के लॉजिस्टिक्स, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में विशेष सचिव हैं।

बूढ़े बांध, बड़ी चिंता

देशवासियों ने एक सपना देखा था, बल्कि कहें कि दिखाया गया था। एक स्मार्ट सिटी होगी। उसमें सब कुछ स्मार्ट होगा। बहुत बड़ी कार्य योजना प्रस्तुत की गई। 25 जून 2015 को केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्मार्ट सिटीज मिशन का आगाज किया । यह 100 शहरों के बुनियादी ढांचों में सुधार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देनी की मुहिम थी। यह शहर थे-पोर्टब्लेयर, विशाखापत्तनम, तिरुपति, काकीनाडा, अमरावती, पासीघाट, गुवाहाटी, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, बिहारशरीफ, पटना, चंडीगढ़, रायपुर, बिलासपुर, नया रायपुर, दीव दादरा और नगर हवेली, सिल्वासा, नई दिल्ली नगर परिषद,पणजी, गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा,राजकोट, दाहोद, करनाल, फरीदाबाद, धर्मशाला, शिमला, श्रीनगर, जम्मू, रांची, मंगलुरु, बेलगावी, शिवमोगा, हुबली धारवाड़, तुमकुरु, दावणगेरे, बेंगलुरु, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, कवरत्ती, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, सतना, उज्जैन,नासिक, थाइन, ग्रेटर मुंबई, अमरावती, सोलापुर, नागपुर, कल्याण-डोम्बीवली, औरंगाबाद, पुणे, पिंपरी चिंचवाड़, इंफाल, शिलांग, आइजोल, कोहिमा, भुवनेश्वर, राउरकेला, औल्गरेट, लुधियाना, जालंधर,अमृतसर, जयपुर, उदयपुर,कोटा, अजमेर, नामचि, गंगटोक, तिरुचिरापल्ली, तिरुनेलवेली, डिंडीगुल, तंजावुरी, तिरुपूर, सलेम, वेल्लोर, कोयंबटूर, मदुरै, खत्म, तूतुकुड़ी, चेन्नई, ग्रेटर हैदराबाद, ग्रेटर वारंगल, करीमनगर, अगरतला,मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, झांसी, कानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गाजियाबाद, आगरा, रामपुर और देहरादून। स्मार्ट शहरों पर सूचना एवं डिजिटल टेक्नालॉजी की सार्वजनिक व निजी भागीदारी के जरिए शहरों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से टिकाऊ और समावेशी विकास पर फोकस किया गया। मिशन को ऐसा उदाहरण बनाने का लक्ष्य भी रखा गया कि ऐसी सिटी के अन्दर और बाहर की व्यवस्थाओं काअनुसरण हो ताकि नागरिकों की सबसे अहम जरूरतों एवं जीवन में सुधार करने के लिए बड़े से बड़े अवसरों को सृजित किया जा सके। मिशन के लिए 7,20, 0000 करोड़ रुपये की फंडिंग भी की गई। इसमें कृत्रिम बुद्धि के तहत आईसीटी का परिचय, आईटी कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण तो ई-गवर्नेंस के तहत ई-पंचायत, ई-चौपाल इसी तरह बुनियादी ढांचे के तहत अच्छे और साफ पानी की आपूर्ति, सभी के लिए बिजली, उचित स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, शहरी गतिशीलता, पर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, आवास जैसी किफायती जीवन स्थितियां और सतत पर्यावरण जैसे जरूरी विषयों को शामिल किया गया। योजना को लागू हुए नौ बरस हो चुके हैं। सपने और हकीकत का अंतर भी साफ झलकने लगा है। हाल की बारिश ने जिस तरह से बड़े से बड़े शहरों की पोल खोलकर रख दी है उससे तो यही लगता है कि इन्फ्रॉस्ट्रक्चर के मामले में हमारी बुनियाद ही बहुत कमजोर है। केवल दिल्ली को ही एक आदर्श के रूप में रखें तो भी डर लगता है। राष्ट्रीय राजधानी का जो मंजर बीते सप्ताह बल्कि पखवाड़े में दिखा तो उसने हर किसी को डरा कर रख दिया। 41 वर्षों में महज 24 घंटों में ही 200 मिलीमीटर बारिश का नया रिकॉर्ड तो बना लेकिन अव्यवस्थाओं की इतनी सारी पोल खुली जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य स्थानों इंडिया गेट के आसपास की सड़कों के मंजर से रूह कांप गई। जगह-जगह जलभराव की वो स्थिति बनी कि न जाने कितने लोग इससे जूझे और कितने घायल हुए, इसका सही आंकड़ा तक नहीं है। बड़ी-बड़ी घटनाओं की तस्वीरों ने ही इतना कुछ दिखा दिया कि छोटी-मोटी पर भला कौन ध्यान देगा। कमोवेश यही स्थिति दिल्ली से सटे दूसरे महानगरों गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद की भी रही। दूसरे छोटे-मोटे शहरों खासकर पहाड़ी इलाकों के हालात तो बेकाबू और बेहद दर्दनाक दिखे। यदि दिल्ली की बात करें तो मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च कर नालों की सफाई पर 10 करोड़ रुपये खर्च हुए। जलभराव से बचाने के खासे इंतजाम के दावे हुए जो 9-10 जुलाई की ही बारिश में धराशायी हो गए। हालात बद से बदतर हो गए। जब पूरे देश में स्मार्ट सिटी को लेकर दावों-प्रतिदावों का दौर चल रहा हो ऐसे में यदि देश की राजधानी में ही संसाधनों की जबरदस्त कमी दिखे और जिम्मेदार राजनीतिक बयान दें तो फिर दूसरों को उदाहरण बनाना बेमानी सा लगता है। विचारणीय यह भी है कि अकेले दिल्ली नगर निगम में 20159 नाले रिकॉर्ड में हैं। इनमें 721 ऐसे नाले भी हैं जिनकी गहराई 4 फीट तक है। बड़े नालों की सफाई ठेके पर होती है जबकि बाकी की खुद निगम करवाता है। हालिया सफाई में सात हजार मीट्रिक टन भी गाद हटाई गई उसके बावजूद पहली ही बारिश में नालों के उफान और दिख रही गाद आसानी से देखी जा सकती है। दिल्ली की अव्यवस्था को लेकर सरकार में बैठे नुमाइंदे और नौकरशाह जो भी दावे करें वो अलग हैं लेकिन हकीकत भरी दिल्ली में रहने वाले या आने-जाने वाले पूरे साल देखते हैं। हाल ही में भारी बारिश के बाद दिल्ली का दिल इंडिया गेट के पास धंसी सड़क और थमते यातायात को भी देखा। पुरानी दिल्ली-गुरुग्राम रोड पर महज एक बस के खराब हो जाने से समलखा से कापसहेड़ा में हुए ट्रैफिक जाम और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की इस रास्ते से नहीं जाने की हिदायत उदाहरण हैं। सवाल यह है कि ऐसा कब तक चलेगा? चिंता इसलिए भी है कि जहां वर्ष 2011 की जनगणना में दिल्ली की आबादी 1916,787,941 थी जो अब अनुमानतः 19,301,096 पार कर चुकी होगी। ऐसे में मौजूदा व्यवस्था और संसाधन कितने पर्याप्त हैं?

Social Media Corner

सच के हक में...

सूरत डायमंड बोर्स सूरत के हीरा उद्योग की गतिशीलता और विकास को प्रदर्शित करता है। यह भारत की उद्यमशीलता की भावना का भी प्रमाण है। यह व्यापार, नवाचार और सहयोग के केंद्र के रूप में काम करेगा, हमारी अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देगा और रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र के ट्विटर अकाउंट से)

हम 1932 खतियान आधारित नीति लेकर आए। स्थानीय युवा को नौकरी मिले वह नीति लाये। भाजपा-आजसू ने षड्यंत्र के तहत उसे निरस्त करवा दिया। हम सरना आदिवासी धर्म कोड लेकर आये। उसे ठंडे बस्ते में डलवा दिया। यह छोटे-छोटे गिरोह को खड़ा कर जनता को दिग्भ्रमित करने का षड्यंत्र रचते हैं। वर्तमान स्थिति में राज्य में कई समस्याएं हैं। विगत 20 वर्षों में इन्होंने समस्याओं का भंडार छोड़ रखा है। लेकिन इन सभी समस्याओं का समाधान संयमित तरीके से हो रहा है। यह सरकार अंधी, बहरी और गूंगी नहीं है। यह सरकार सबकी बात सुनती है और नियम संगत उसका समाधान भी करती है।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

अंतिम सांसें गिनते पाकिस्तानी हिंदू

गांधीजी के साथ अहिंसक तरीके से स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने वाले सीमांत गांधी यानी खान अब्दुल गफ्फार खान भारत विभाजन के प्रबल विरोधी थे। वह चाहते थे कि यदि विभाजन हो भी तो नार्थ वेस्ट फ्रंटियर प्रांत यानी आज का खैबर पख्तूनख्वा भारत के साथ रहे। जब उनकी यह मांग नहीं मानी गई और भारत विभाजित हो गया तो उन्होंने गांधीजी से कहा था कि आपने हमें भेड़ियों के हवाले कर दिया। पाकिस्तान बनने के बाद वहां उनके साथ बुरा व्यवहार हुआ। उन्हें गद्दार कहा गया और जेल में भी डाला गया। पाकिस्तान में आज भी पख्तून उपेक्षित हैं, लेकिन तमाम कठिनाइयों के बाद भी उनके अस्तित्व और उनकी अस्मिता के लिए वैसा खतरा नहीं, जैसा पाकिस्तानी हिंदुओं के समक्ष है। पाकिस्तानी हिंदू सचमुच ह्यभेड़ियोंह्ण के समक्ष हैं। उनका हरसंभव तरीके से लगातार ह्यशिकारह्ण हो रहा है। इसे समझने के लिए पाकिस्तान से इसी रविवार को आई तीन खबरों से अवगत होइए। पहली खबर में बताया गया कि पाकिस्तान के सिंध में कुछ डकैतों ने एक हिंदू मंदिर में फायरिंग के साथ राकेट से भी हमला किया। चूंकि राकेट फटा नहीं इसलिए मंदिर को कोई विशेष क्षति नहीं हुई। इन डकैतों ने सिंध के सभी हिंदू मंदिरों को नष्ट करने की धमकी दी है। इसलिए दी है, क्योंकि पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर चार बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते अपने हिंदू प्रेमी के पास भारत आ गई है। हिंदुओं की दयनीय दशा का अनुमान इससे लगाएं कि सिंध प्रांत के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ज्ञानचंद्र इसरानी ने डकैतों से अपील की कि वे हिंदू समुदाय को निशाना न बनाएं। उन्होंने यह विनती सिंध विधानसभा में की। एक मंत्री अपने समुदाय की रक्षा के लिए डकैतों से निवेदन करे, ऐसा पाकिस्तान में ही हो सकता है। इससे समझा जा सकता है कि हिंदू समुदाय के नेताओं तक को शासन-प्रशासन पर भरोसा नहीं कि वह उनके समाज की रक्षा के लिए कुछ करेगा। भरोसा करें भी तो कैसे, क्योंकि वे हर दिन यह देख रहे हैं कि सिंध में हर दूसरे-तीसरे दिन किसी नाबालिग हिंदू लड़की को अगवा कर जबरन इस्लाम स्वीकार करा दिया जाता है और फिर किसी मुसलमान, अधिकतर मामलों में लड़की का अपहरण करने वाले मुसलमान से ही उसका निकाह करा दिया जाता है। पुलिस, अदालत और सरकार के लोग या तो अपहरण करने वालों की मदद करते हैं या फिर बेशर्मी के साथ यह कहते हैं कि लड़की बालिग है और उसने स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार किया है। लड़की के मां-बाप रोते-कलपते रह जाते हैं, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं होती। हां, कुछ नेक दिल पाकिस्तानी ट्विटर, फेसबुक या यूट्यूब चैनल पर इस अत्याचार और अन्याय की निंदा करते हैं। कभी-कभी कुछ टीवी चैनल और अखबार भी खबर छाप देते हैं, लेकिन सौ में से नब्बे मामलों में हिंदू लड़की अपने मां-बाप के पास नहीं लौट पाती। एक आंकड़े के अनुसार अकेले सिंध में प्रति वर्ष लगभग एक हजार हिंदू लड़कियों को जबरन इस्लाम में दाखिल कराकर उनका जबरिया निकाह कराया जाता है। इसके लिए मियां मिट्ठू नामक एक बदमाश मौलवी बाकायदा एक गिरोह चलाता है। उसकी इन्हीं हरकतों के कारण ब्रिटेन ने उस पर प्रतिबंध लगा रखा है, लेकिन कोई राजनीतिक दल उसके खिलाफ बोलने को तैयार नहीं, उसकी गिरफ्तारी के बारे में तो सोचा भी नहीं जा सकता। रविवार को ही पाकिस्तान के सिंध प्रांत से दूसरी खबर यह आई कि 30 हिंदू महिलाओं और बच्चों को बंधक बना लिया गया है। तत्काल पता नहीं चला कि इसका कारण क्या है, लेकिन आशंका यही है कि उन्हें या तो जबरन मुसलमान बनाया जाएगा या फिर बंधुआ मजदूर। पाकिस्तान में यह खूब होता है। हिंदुओं की गरीबी का लाभ उठाकर उनकी मदद करने के नाम पर उन्हें इस्लाम स्वीकारने को कहा जाता है।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शैक्षिक प्रणाली की मजबूत नींव बनाने की दिशा में संकाय विकाय कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण कारक है। देश में होने वाले नए शोध में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है, जो देश के विकास और नीति निर्धारण में सहायक होती है। शिक्षण कौशल, शिक्षा पद्धति को सुधारने एवं कक्षा भागीदारी को सुनिश्चित करने की नई पद्धतियों के बारे में अध्यतन जानकारी का होना जरूरी है। गुणवतापूर्ण एवं मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए नई तकनीक, नई शिक्षण प्रक्रिया और नए-नए विषयों एवं आधुनिक शिक्षण प्रविधि पर विस्तार से उन्हें जानकारी होनी चाहिए। फैकल्टी डेवलमेंट प्रोग्राम शैक्षणिक जीवन के भावात्मक, बौद्धिक और सामाजिक पहलुओं को मजबूत करता है। शिक्षकों को प्रशिक्षण मिलने से पठन-पाठन की गुणवता में भी सुधार होता है। शिक्षण और मूल्यांकन विधियों में नई अवधारणाओं के बारे में शिक्षक संवेदनशील बनते हैं। यह समझना समय की आवश्यकता है कि किस तरह से डिजिटल परिवर्तन हमारी टीचिंग एंड लर्निंग को प्रभावित कर रहा है। ई लर्निंग के महत्व के बारे में विस्तार से समझने की जरूरत है। आने वाले समय में कार्यबल, कार्यस्थल और काम की प्रवृति में भारी बदलाव होगा इसके लिए भविष्य की चुनौतियों के लिये पर्याप्त रूप से सक्षम होने के लिए मशीन लर्निंग लैंग्वेज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सीखने की जरूरत है। इस मामले में यह ध्यान रखना जरूरी है कि संकाय विकास कार्यक्रम का वास्तविक लाभ छात्र-छात्राओं तक पहुंचे। तभी इस कार्यक्रम की सार्थकता है। अन्यथा यह भी महज औपचारिकता ही है।

हिना परवीन, जीप सदस्य कांके-18।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोपी को 30 साल की सजा

CHAIBASA : नाबालिक के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में टोकलो थाना क्षेत्र के साईतोपा निवासी राजेन्द्र महतो को प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में दोषी करार देते हुए 30 साल की सजा सुनाई गई है। साथ ही 25000 का जुमार्ना लगाया गया है। आरोपी राजेंद्र महतो एवं अन्य के विरूद्ध दो नाबालिग बच्चियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला दर्ज किया गया था। 29 अगस्त 2016 को संध्या 5 बजे दोनो बच्ची मेला देखने गयी थी। मेला देखकर घर लौटने के क्रम अभियुक्तो द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने अभियुक्त राजेन्द्र महतो एवं अन्य को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया तथा सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया। जिसके आधार पर न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम के न्यायालय में अभियुक्त राजेन्द्र महतो को 30 (तीस) साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25,000 रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। काण्ड में अन्य अभियुक्तो को पूर्व में न्यायालय द्वारा सजा दी गयी है।

बीजू छात्र जनता दल ने कॉलेजों में खोले हेल्प डेस्क

ROURKELA : ओड़िशा के सीएम नवीन पटनायक के निर्देश पर बीजू छात्र जनता दल, राउरकेला ने बुधवार को प्रथम वर्ष में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान में प्रवेश लेने वाले नये छात्रों को सहयोग देने के लिए हेल्प डेस्क खोला है। देबीरंजन त्रिपाठी एवं श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक के आह्वान पर हेल्प डेस्क खोला गया है। यह कार्यक्रम प्राथमिक चरण में गवर्मेंट कॉलेज और म्युनिसिपल कॉलेज में शुरू किया गया है। धीरे धीरे अन्य कॉलेजों में हेल्प डेस्क खोलकर नए विद्यार्थियों को सहयोग किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

CHAIBASA : चंपुआ थाना अंतर्गत नारदोपुर के पास बीती रात को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार आनंदपुर निवासी अशोक कुमार 27 वर्ष बड़बिल कोईडा के किसी खदान में काम करता था। मंगलवार रात वो अपने बाइक से कोईड़ा ड्यूटी करने जा रहा था। रास्ते में नारदपुर एनएच पर उसकी बाइक को पीछे से किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने ठोकर मारी। अशोक सड़क में दूर छिटक गया। उसके माथे में गंभीर चोट आई। अत्यधिक रक्त स्राव के कारण घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक अपनी वाहन लेकर फरार हो गया। ग्रामीणों की मदद से 108 एम्बुलेंस से अशोक को चंपुआ अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चंपुआ पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर अपने साथ अशोक की बाइक लाई। अशोक के शव को कब्जे में लेकर उसका पोस्ट मार्टम कराकर शव परिजनों के हवाले कर दिया।

गोपबंधु स्वास्थ्य बीमा राशि बढ़ाकर 5 लाख रुपये हुई

BHUBANESHWAR : ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घोषणा की है कि राज्य में कार्यरत पत्रकारों के लिए लागू गोपबंधु स्वास्थ्य बीमा योजना में बीमा राशि 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये की जाएगी। इसका लाभ राज्य के 8717 श्रमजीवी पत्रकारों और उनके परिवारों को मिलेगा। गौरतलब है कि गोपबंधु स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कार्यरत पत्रकारों और उनके परिवारों को दो लाख रुपये तक का चिकित्सा लाभ मिल रहा था। अब इसे बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है ताकि पत्रकार और उनके परिवार को बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सके।

KU के स्नातक SEMESTER-1 में 27619 विद्यार्थियों ने ONLINE भरा नामांकन पत्र

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विवि के विभिन्न कॉलेजों में स्नातक सेमेस्टर-1 में नामांकन को लेकर ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया 18 जुलाई को समाप्त हो गई। इसके लिए चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलइन आवेदन किया गया। आवेदन करने के अंतिम दिन यानि 18 जुलाई तक कुल 27619 विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन आवेदन किया। इस प्रकार देखा जाए तो 13 से 18 जुलाई तक 2853 विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन आवेदन जमा किया।

बता दें कि इसके पूर्व ऑनलाइन आवेदन करने के लिए 12 जुलाई को अंतिम दिन था। 12 जुलाई को अंतिम दिन मानते हुए काफी संख्या में विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन आवेदन किया। केवल 12 जुलाई को ही 5318 विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन आवेदन किया था। इस प्रकार 12 जुलाई तक कुल 24766 विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन आवेदन किया था। लेकिन चांसलर पोर्टल में क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा नहीं जुड़े होने के कारण कई विद्यार्थी वंचित रह गए थे। इसे लेकर कुछ दिन पूर्व ही विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी हो, कुड़माली और कुड़ुख भाषा विषय को चांसलर पोर्टल में जोड़ने एवं नामांकन की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर कोल्हान विवि पहुंचे हुए थे। इसके लिए विद्यार्थियों ने कुलसचिव को मांग पत्र भी सौंपा था। इसके बाद इसमें वंचित विद्यार्थियों को नामांकन के लिए कोल्हान विवि प्रशासन ने 18 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन करने का मौका दिया था। इसका फायदा उठाते हुए 18 जुलाई तक पिछले छह दिनों में 2853 विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन आवेदन किया। इस प्रकार से कुल 27619 विद्यार्थियों ने अपना नामांकन किया।

प्रथम सूची का प्रकाशन 25 को, नामांकन 26 से : विवि प्रशासन के अनुसार अब आगे की प्रक्रिया को शुरू करते हुए इसकी प्रथम सूची का प्रकाशन 25 जुलाई को कर दी जाएगी। विद्यार्थी संबंधित कॉलेजों में देख सकेंगे। वैसे विद्यार्थी जिनको शिकायत या आपत्ति करनी हो तो 19 व 20 जुलाई तक दर्ज करा सकते हैं। प्रथम सूची के आधार पर 26 जुलाई से 3 अगस्त तक नामांकन लिया जाएगा। इसके बाद रिक्त सीटों के विरूद्ध 4 अगस्त को द्वितीय सूची का प्रकाशन किया जाएगा। द्वितीय सूची के आधार पर 4 से 11 अगस्त तक नामांकन लिया जाएगा। इसके बाद रिक्त सीटों के विरूद्ध 12 अगस्त को तृतीय सूची निकाली जाएगी। तृतीय सूची के आधार पर 12 से 18 अगस्त तक नामांकन ली जाएगी। इसके बाद कक्षाएं प्रारंभ होगी।

इधर सभी कॉलेजों से कहा गया है कि प्रथम सूची से नामांकन ली गई विद्यार्थियों की सूची 10 अगस्त तक केयू को भेजना सुनिश्चित करेंगे। वहीं द्वितीय एवं तृतीय सूची से नामांकन ली गई विद्यार्थियों की सूची 26 अगस्त तक अवश्य रूप से भेजना सुनिश्चित करेंगे।

किस कॉलेज में कितने आवेदन प्राप्त

एबीएम कॉलेज जमशेदपुर	1082	करीम सिटी कॉलेज जमशेदपुर	1184
एजेके कॉलेज चाकुलिया	39	एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर	2500
बीडीएसएल महिला कॉलेज घाटशिला	164	महिला कॉलेज चाईबासा	1429
बहरागोड़ा कॉलेज बहरागोड़ा	1951	महिला महाविद्यालय सरायकेला	120
डग्री कॉलेज जगन्नाथपुर	453	एमबीएनएस इंस्टीच्यूट खरसावां	01
डिग्री कॉलेज खरसावां	20	मॉडल महाविद्यालय खरसावां	219
डिग्री कॉलेज मझगांव	298	मिसेज केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज	19
जीसी जैन कॉमर्स कॉलेज चाईबासा	516	नोवामुंडी कॉलेज नोवामुंडी	227
डिग्री कॉलेज मनोहरपुर	323	पटमदा डिग्री कॉलेज जल्ला	577
घाटशिला कॉलेज घाटशिला	2947	रंभा कॉलेज गितिलता	19
जीआईआईटी प्रोफेशनल कॉलेज	11	एसबी कॉलेज चांडिल	1998
जेकेएम कॉलेज मैनेजमेंट	271	एसआरकेएम डिग्री कॉलेज	59
जेकेएस कॉलेज मानगो	367	संत अगस्तीन कॉलेज मनोहरपुर	335
जेएलएन कॉलेज चक्रधरपुर	1731	टाटा कॉलेज चाईबासा	2892
जमशेदपुर को ऑपरेटिव कॉलेज	1760	ग्रेज्युएट कॉलेज वूमेन जमशेदपुर	2034
जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज	1143	वीएएस कॉलेज सोनुवा	108
केएस कॉलेज सरायकेला	1693	एक्सआईटीई गम्हारिया	29

मान्यता को लेकर निजी स्कूल गोलबंद

PHOTON NEWS SUNDARGARH : ऑल ओड़िशा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक बुधवार को जिला संयोजक एसके राय की अध्यक्षता में राउरकेला के सिटी इंग्लिश मीडियम स्कूल में संपन्न हुई। बैठक में सुंदरगढ़ जिला के विभिन्न ब्लॉक के 50 से अधिक प्राइवेट स्कूल के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में शामिल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के लोग। ● फोटोन न्यूज

बैठक में जिला अध्यक्ष विभूति कुमार गुप्ता ने आगामी समय में विद्यालय की मान्यता प्राप्त करने में होने वाली असुविधाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्यालय की मान्यता प्राप्त करने के लिए 3 एकड़ जमीन होना अनिवार्य किया गया है। मान्यता मात्र 5 वर्षों के लिए अस्थाई रूप से दी जाती है। संगठन के माध्यम से सरकार से अनुरोध किया गया है कि जिस विद्यालय की सारी मापदंड पूरी हो उसे स्थाई रूप से मान्यता प्रदान की जाए। वहीं जो विद्यालय भाड़े के भवनों में या लीज की जमीन पर चल रहे हैं उन्हें 10 वर्ष की मान्यता प्रदान की जाए। अनिवार्य शिक्षा नियमावली के अनुसार विद्यालयों में 25 प्रतिशत नामांकन शोषित, वंचित एवं पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई है, किंतु इसकी मानदेय सरकार की तरफ से विद्यालय को समय से प्राप्त नहीं हो पाती है। इस तरफ सरकार ध्यान दें और समयानुसार मानदेय प्राप्त करने की स्थिति को स्पष्ट करें। सभी विद्यालयों में स्थानांतरण प्रमाण पत्र द्वारा नामांकन अनिवार्य की जाए। प्राइवेट विद्यालयों में मुफ्त पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए, प्राइवेट स्कूलों में अति कम मासिक वेतन पर कार्यरत शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों के लिए प्रति माह कुछ मानदेय देने की पहल सरकार की तरफ से दी जाए।

21 जुलाई को बंद रहेंगे स्कूल: उधर निजी स्कूलों ने असंउसेलप के क्रम में कहा है कि ऑल उड़ीसा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन उड़ीसा के बैनर तले आगामी 21 जुलाई 2023 को भुनेश्वर में सरकार के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही पूरे उड़ीसा के प्राइवेट स्कूलों को एक दिन के लिए 21 जुलाई को बंद करने का आह्वान किया गया है।

मांगीलाल रूंगटा प्लस टू विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच 500 पौधों का वितरण

PHOTON NEWS CHAIBASA : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए मांगीलाल रूंगटा विद्यालय की प्राचार्या शिल्पा गुप्ता तथा गायत्री परिवार के अनुज चक्रवर्ती के पहल से विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने सभी छात्र छात्राओं के बीच आम, अमरूद, सागवान, गम्हार, नींबू, शरीफा, आंवला, बेल, अनार, लीची सहित अन्य विभिन्न प्रकार के पौधों का वितरण किया गया।

। ● फोटोन न्यूज

मौके पर प्राचार्या ने कहा कि विकास के नाम पर पेड़ पौधों को लगातार काटा जा रहा है। ऐसे में आगामी पीढ़ी को स्वच्छ हवा तक नसीब नहीं हो पाएगी। अभी से अगली पीढ़ी को स्वस्थ रखने के लिए हमें इस दिशा में एकजुट होकर कार्य करना होगा। ज्ञात हो कि प्राचार्या द्वारा 2016 से स्कूल में चलाए जा रहे इस वन प्लांट वन एक व्यक्ति एक पौधा कार्यक्रम विद्यालय के प्रत्येक बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता को दिन प्रतिदिन बढ़ाई जा रही है।

इस कार्यक्रम या पहल के तहत अभी तक बच्चों ने हजारों पौधे विद्यालय सहित अन्य स्थानों पर लगा चुके हैं। चूंकि प्राचार्या ने यहां पढ़ने वाले बच्चों को कम से कम एक पौधा लगाने का नियम अनिवार्य किया है। पैसों से पर्यावरण को नहीं खरीदा जा सकता है और ना ही स्वस्थ बनाया जा सकता है। इसका संरक्षण पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

वहीं अनुज कुमार चक्रवर्ती ने कहा कि सभी छात्र छात्राएं इन पौधों को अपनी देखरेख में सही तरीके से लगाकर इनका एक विशेष नाम देकर इनको धीरे-धीरे बढ़ते हुए देखें। इनसे बातचीत करें, ऐसा करने से बच्चों का लगाओ पर्यावरण के प्रति बढ़ेगा। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। बुधवार को करीब 500 पौधों का वितरण किया गया।

कृषि में आत्मनिर्भर बन गया ओडिशा : मुख्यमंत्री

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR : ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को नियुक्ति पर्व में भाग लिया। इस दौरान सीएम नवीन पटनायक ने कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्र ओडिशा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सीएम ने कहा कि ओडिशा ने भोजन की कमी वाला राज्य होने से लेकर भोजन का शुद्ध आपूर्तिकर्ता बनने तक एक लंबा सफर तय किया है।

नवीन पटनायक की फाईल फोटो।

नवीन पटनायक ने कहा कि विभिन्न फसलों का उत्पादन कई गुना बढ़ गया है, सीएम ने कहा कि कृषि गतिविधि और उत्पादों के विविधीकरण का समर्थन करने के लिए कई योजनाएं मौजूद हैं। कालिया और बालाराम जैसी योजनाओं ने किसानों के बीच आत्मविश्वास और विश्वास की भावना पैदा की है।

सीएम ने कहा कि उत्पादकता बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए कृषि मशीनीकरण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कृषि उद्योग योजना के तहत सरकार स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर कृषि क्षेत्र में उद्यमिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने में ओडिशा राज्य बीज निगम (ओएसएससी) की महत्वपूर्ण भूमिका है। सीएम ने कहा कि कृषि और किसान अधिकारिता विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज मिले।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान शुरू, छात्रों ने ली सेवन नहीं करने की शपथ

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत बुधवार को प्रोफेसर करुणाकर पट्टशानी की देखरेख में 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान की शुरूआत हुई। इसकी अध्यक्षता सुजाता प्रधान ने की। तंबाकू मुक्त जागरूकता कार्यक्रम में लक्ष्मण नाथ दास मुख्य अतिथि और प्रोफेसर डॉ. रवीन्द्र कुमार जेना सम्मानित अतिथि थे।

कार्यक्रम में अभिभाषण देते अतिथि व उपस्थित अन्य। ● फोटोन न्यूज

इस अवसर पर मुख्य अतिथि लक्ष्मण नाथ दास ने कहा कि आज युवा समाज बदहाल है। तम्बाकू के विषैले घेरे से बाहर आकर व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक जीवन ही उसका लक्ष्य होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. जेना ने कार्यक्रम के लक्ष्य, उद्देश्यों एवं स्वयंसेवकों के कर्तव्यों पर चर्चा की। वहीं सुजाता प्रधान ने स्वयंसेवकों को शपथ कराया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. पाटशानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रमुख स्थानों पर तम्बाकू मुक्त परिसर के पोस्टर लगाये गए। इस दौरान अजय गौड़, विशाल कुमार राम, अरुण कुमार मोहंती, नयन आचार्य, शिवम सिंह, अशोक किसान, प्रकाश मेहर, अनु धनवार, विकास महतो, मेरेश गोप, ऐश्वर्या साहू, चंदा बारिक, ममता, अनिता जगदेव, नीलम बेगम, अंकिता शरण , सौम्यरंजन मोहंती, लिप्सा सभरयार सिंह, सुसरेखा बेहरा, क्रांति ओराम आदि उपस्थित थी।

लायंस क्लब ने कराया 69 मरीजों की ऑखों का निशुल्क ऑपरेशन

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर में लायंस क्लब ने बुधवार को लायंस आई हास्पिटल में अध्यक्ष सुरेश केजरीवाल की अध्यक्षता में 69 मरीजों के ऑखों का निशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन कराया। मरीजों को 1 महीने की दवाई के साथ-साथ काला चश्मा भी दिया गया।

हॉस्पिटल में उपस्थित मरीज

अध्यक्ष सुरेश केजरीवाल ने बताया कि इस सप्ताह 5 स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किया गया। जरूरतमंद लोगो को चयनित किया गया। आंखों के ऑपरेशन के साथ पावर का चश्मा दिया गया और दवाई वितरित की गई। अस्पताल में लाकर उनका नवीनतम मशीनों द्वारा ऑपरेशन किया जा रहा है। लायंस आई हॉस्पिटल मे कोर्निया टेस्ट भी शुरू हो गया है।

कार्यक्रम के लिए आर्थिक सहयोग राउंड टेबल एवं लेडीस सर्किल द्वारा दिया गया। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष हर्षवर्धन गर्ग, गुरदीप सलूजा एवं जयवीन कौर को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही संजय अग्रवाल, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की अध्यक्षा चंद्रा बंसल, खुशबू मोदी, सोनू बंसल, सृष्टि ट्रेडिंग के प्रभाकर अग्रवाल एवं संतोष जयसवाल,तथा पवन अग्रवाल विकास बिंदल, तरसेम गोयल को भी उनके आर्थिक सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सतीश गौतम, बब्बल गोयल, राजेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, लायंस क्लब वेदव्यास की अध्यक्षा सुषमा सारडा, सचिव उषा संघवी, कोषाध्यक्ष शशि अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अतुल संघवी भी उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा जन अधिकार मंच ने मंत्री व विधायकों को सौंपा ज्ञापन

HEMANT सरकार की पोषण से संबंधित घोषणा की दिलायी याद, कहा- न अंडा मिल रहा, न दाल

PHOTON NEWS CHAIBASA : खाद्य सुरक्षा जन अधिकार मंच का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मंत्री जोबा माझी, चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव व खरसावां विधायक दशरथ गागराई से मिले। इस दौरान एक ज्ञापन सौंपकर हेमंत सोरेन सरकार द्वारा पिछले दो सालों में किये गए पोषण संबंधित घोषणाओं को याद दिलाया। कहा कि वे विधान सभा के मानसून सत्र में सरकार को उनकी घोषणाओं को याद दिलाएं और क्षेत्र के बच्चों के कुपोषण से लड़ने के विरुद्ध स्पष्ट प्रतिबद्धता दशाएं। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री व विधायकों से कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दो साल में कई महत्वपूर्ण पोषण संबंधित घोषणाएं की थी। इसमें मध्याह्न भोजन में बच्चों को पांच दिन प्रति सप्ताह अंडा देना, आंगनबाड़ी में 3-6 वर्ष के बच्चों को 6 दिन प्रति सप्ताह अंडा देना, जन वितरण प्रणाली में प्रत्येक कार्डधारी को सस्ते दर पर एक किलो दाल प्रति माह देना समेत अन्य शामिल है। राज्य सरकार ने इस ओर न केवल कई बार घोषणा की थी बल्कि बजट सत्र व कैबिनेट में पारित भी किया था। लेकिन दुःख की बात है कि घोषणा के महीनों (सालों) बाद भी ये धरातल पर नहीं उतरे हैं।

ज्ञापन सौंपते खाद्य सुरक्षा जन अधिकार मंच के लोग। ● फोटोन न्यूज

साथ ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून से छूटे हुए लाखों परिवारों के लिए राज्य सरकार ने राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (हरा राशन कार्ड) के तहत 14.21 लाख छूटे लोगों को जोड़ा गया है। अनेक वंचित परिवार को हरा राशन कार्ड तो मिल गया लेकिन नियमित रूप से राशन नही मिलता है। अनेक महीनों तक राशन न मिलने के बाद अभी जनवरी-फरवरी 2023 का बकाया राशन दिया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री व विधायक को पश्चिमी सिंहभूम में कुपोषण के गंभीर स्थिति को भी याद दिलाया। 2019-21 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार जिला के पांच वर्ष के कम उम्र के 62 % बच्चे कुपोषित है। 2015-16 के सर्वेक्षण की तुलना में न के बराबर सुधार हुआ है। जिले के एक तिहाई व्यस्क महिलाओं का बीएमआई सामान्य से कम है। विभिन्न सरकारी सर्वेक्षणों में यह भी बार-बार पाया जाता है कि राज्य के आदिवासी बच्चे अन्य समुदायों की तुलना में ज्यादा कुपोषित हैं।

प्रतिनिधिमंडल को मंत्री जोबा माझी ने कहा कि टेंडर और ठेकेदार तय न होने के कारण आंगनबाड़ी में अंडा चालू नहीं हो रहा है। मंच ने याद दिलाया कि आंगनबाड़ी में ठेकेदारी व्यवस्था न्यायालय के नियमों के विरुद्ध होगा एवं विकेंद्रीकृत व्यवस्था लागू होना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने बताया कि चक्रधरपुर विधायक जमीनी स्थिति को मानने से ही इनकार कर दिए और प्रतिनिधिमंडल के साथ बुरी तरीके से पेश आये। यह दुःख की बात है कि जन समर्थन से बनी राज्य सरकार क्षेत्र के आदिवासी-दलित-वंचितों के पोषण व खाद्य सुरक्षा के प्रति इतनी उदासीन है। प्रतिनिधिमंडल में अमित होनहागा, अजीत कांडेयांग, अशोक मुंडरी, नारायण कांडेयांग, प्रेम गागराई, रामचंद्र माझी, संदीप प्रधान, सुरेश जोंको आदि शामिल थे।

सुंदरगढ़ में महिला पोस्टमास्टर की प्रेमी ने की हत्या, गिरफ्तार

नयन सेठ की फाईल फोटो।

महिला पोस्टमास्टर की फाईल फोटो।

PHOTON NEWS SUNDARGARD : सुंदरगढ़ जिला की महिला पोस्टमास्टर स्निग्धा प्रधान हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। सुंदरगढ़ जिला के लेफ्रीपाड़ा पुलिस ने महिला पोस्टमास्टर की हत्या के आरोप में उसके प्रेमी नयन सेठ को गिरफ्तार किया है। स्निग्धा के बॉयफ्रेंड नयन सेठ ने बार-बार चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्या प्यार में शक के कारण हुई है।

प्रेमी नयन को शक था कि स्निग्धा के परिवार वाले दोनों को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को दोनों की मुलाकात के बाद किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद नयन ने चाकू मार के हत्या कर दी। जांच में पता चला कि नयन ने पहले से ही अपने प्रेमी की हत्या की योजना बना रखी थी। इसके लिए नयन ने पहले बाजार से एक चाकू खरीदकर अपने पास रख लिया था।

नयन सेठ ने पुलिस के सामने हत्या करने की बात कबूल कर ली है। आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि नयन ने अपने प्रेमिका की हत्या कर सुंदरगढ़ लेफ्रीपाड़ा थाना क्षेत्र के बेलसरियापाड़ा जंगल के पास किनारे में फेंक दिया था। हत्या के बाद आरोपी ने व्हाट्सएप पर सिनिग्धा की मां को मैसेज के साथ लोकेशन भी शेयर किया और बताया कि उसने स्निग्धा की हत्या कर दी है।

बॉयफ्रेंड अर्जुन को छोड़

आजरबाइजान ट्रिप पर निकलीं मलाइका

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड की ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो अक्सर अपने लुक को लेकर चर्चा रहती हैं। इन दिनों मलाइका आजरबाइजान ट्रिप पर हैं, जहां वह खूब एंजॉय कर रही हैं। ट्रिप की खूबसूरत तस्वीरें एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही हैं। मलाइका अरोड़ा ने ट्रिप की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जिसमें वह गर्ल-गैंग के साथ आजरबाइजान के बाकू शहर का मजा लेती दिख रही हैं। व्हाइट आउटफिट के साथ चेहरे पर ब्लैक गॉग्लस लगाए मला बेहद गॉर्जियस लग रही हैं और बाकू टेंपल में गजब पोज दे रही हैं। बता दें, मलाइका अरोड़ा अपने काम और लुक्स के अलावा एक्टर अर्जुन कपूर संग अपने अफेयर को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। दोनों कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहें हैं। 12 साल का उम्र गैप होने के कारण कपल को हमेशा टारगेट किया जाता है। हालांकि, उन्हें किसी ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, अब कपल के फैंस को इंतजार हैं कि मलाइका और अर्जुन कब शादी के बंधन में बंधेंगे।

जवान में नहीं होगा किआरा का कोई कैमियो

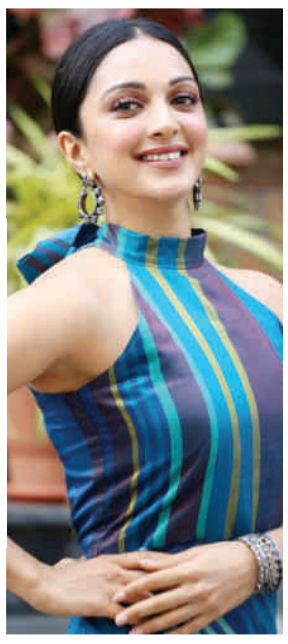

शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान इस साल स्क्रीन पर हिट होने वाली सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक है और फिल्म पूरी तरह से धूम मचा रही है। इस फिल्म के हाल ही में जारी हुए ट्रेलर प्रीव्यू ने दर्शकों के उन्माद को और बढ़ा दिया है। प्रीव्यू में दिखाए गए एक्शन दृश्यों और शाहरुख खान के लुक ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस फिल्म के बारे में कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि इसमें किआरा आडवाणी का कैमियो होगा जिसमें उन पर एक गीत फिल्माया जाएगा। कई मीडिया पब्लिकेशन ने इस समाचार को प्रमुखता से छापा लेकिन अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार जवान में किआरा का कोई किरदार नहीं है। उद्योग जगत के सूत्रों ने मीडिया को बताया है कि, ये अफवाहें बिल्कुल निराधार हैं। फिल्म में कोई गाना शूट नहीं किया गया है और न ही किआरा आडवाणी का कोई कैमियो है। जवान इतनी बड़ी फिल्म है, हर दिन कोई न कोई अफवाह सुनने को मिलती है। जवान का निर्माण शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है और फिल्म में विजय सेतुपति, नयनतारा, सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा और संजीता भट्टाचार्य भी हैं। यह फिल्म 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अब मसालेदार विषय वाली फिल्म की तलाश में हैं जान्हवी

अपनी फिल्मों और अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा कि उन्होंने बहुत सारी फिल्में की हैं, लेकिन अब वह कुछ अलग करना चाहती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई हैं। दरअसल, वह कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, अभी वह वरुण धवन के साथ अपनी आने वाली फिल्म बवाल के प्रचार में व्यस्त हैं। इसी दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया था कि उन्हें बहुत सारी फिल्में करने का मन है। वहीं, इस कड़ी में अभिनेत्री ने बताया है कि और वह एक मसालेदार फिल्म की तलाश कर रही हैं। अपनी फिल्मों और अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा कि उन्होंने बहुत सारी फिल्में की हैं, लेकिन अब वह कुछ अलग करना चाहती हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मैं बस देख रही हूं, उम्मीद कर रही हूं और प्रार्थना कर रही हूं। मेरी इच्छा है कि अगली बार आप सब मुझे जब कैमरे पर देखें तो वह एक मसाला मजेदार फिल्म होनी चाहिए। मैं जिंदादिल हूं, नाच रही हूं, गा रही हूं, अच्छी दिख रही हूं, कॉमेडी कर रही हूं, नखरे भी दिखा रही हूं, वह सब सामान बात है। यही मैं फिल्मों में प्रदर्शित कर रही हूं, लेकिन अब मसालेदार विषय की तलाश में हूं।

रैपर बादशाह ने साझा किया शाहरुख–सलमान से जुड़ा मजेदार किस्सा

बादशाह ने शाहरुख खान और सलमान खान के बीच मनमुटाव खत्म होने के बाद दोनों से मुलाकात की थी। अब रैपर ने पहली मुलाकात का किस्सा साझा किया है। रैपर बादशाह ने हाल ही में सलमान खान और शाहरुख खान के बीच मनमुटाव के बारे में बात की। दोनों सुपरस्टार के बीच मनमुटाव खत्म होने के बाद बादशाह उनसे मिले थे। अब रैपर ने अपनी इस मुलाकात को याद करते हुए दिलचस्प किस्सा साझा किया है। कथित तौर पर सलमान खान और शाहरुख खान के बीच विवाद था। कई वर्षों तक दोनों के बीच बातचीत बंद रही। हालांकि, दोनों अपने मनमुटाव भूलकर फिर से दोस्ती की राह पर आगे बढ़ें। चलिए जानते हैं रैपर बादशाह की सलमान और शाहरुख के साथ मुलाकात कैसी रही थी। सलमान और शाहरुख के बीच दोबारा दोस्ती होने पर बात करते हुए बादशाह ने उस घटना को याद किया, जब दोनों ने उन्हें बिरयानी खिलाई थी।

बादशाह ने कहा कि मैं शाहरुख खान और सलमान खान से एक अवॉर्ड शो के बैक स्टेज पर मिला था। दोनों के बीच काफी समय के बाद समझौता हुआ था। मुझे अच्छे से याद है कि मेरे मैनेजर ने मुझसे कहा था कि शाहरुख सर आपको बुला रहे हैं। मैं उनसे मिलने गया। सलमान सर भी वहां पर थे। वे दोनों आपस में बात कर रहे थे। मैं वहीं खड़ा उनको देख रहा था। इसके बाद खाना परोसा गया और उन्होंने मुझे बिरयानी खिलाई। वे एक दूसरे के साथ फनी मूड में थे और अपने किस्से साझा कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 2008 में अभिनेत्री कटरीना कैफ की जन्मदिन पार्टी में हुई एक घटना के बाद शाहरुख और सलमान के बीच कथित तौर पर बातचीत बंद हो गई थी। इसके बाद कई वर्षों बाद दोनों अपने-अपने विवाद भूलकर आगे बढ़ें और साल 2013 में समझौता कर एक बार फिर दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाया। सलमान और शाहरुख अब पहले की तरह बेहद अच्छे दोस्त हैं। हाल ही में उन्होंने पठान में साथ काम किया। अब दोनों अपने फैंस को दिवाली पर बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। रैपर बादशाह शाहरुख खान के बहुत बड़े फैन हैं। यहां तक की सुपरस्टार के लिए ही उन्होंने अपना नाम बदला था। बादशाह का असली नाम आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया है, जबकि बादशाह उनका स्टेज नाम है। करियर के शुरुआती दौर में वह कूल इक्कल के नाम से जाने जाते थे। साल 2021 में कौन बनेगा करोड़पति सीजन 13 में बादशाह ने खुलासा किया था कि यह शाहरुख ही थे, जिनके लिए उन्होंने अपना नाम बदला। उन्होंने बताया था मैं शाहरुख खान सर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और उसी समय 1999 में उनकी फिल्म बादशाह रिलीज हुई थी, तभी से मेरे स्टेज का नाम बादशाह हो गया।

राखी सावंत के पैसे-फोन लेकर भागा ड्राइवर

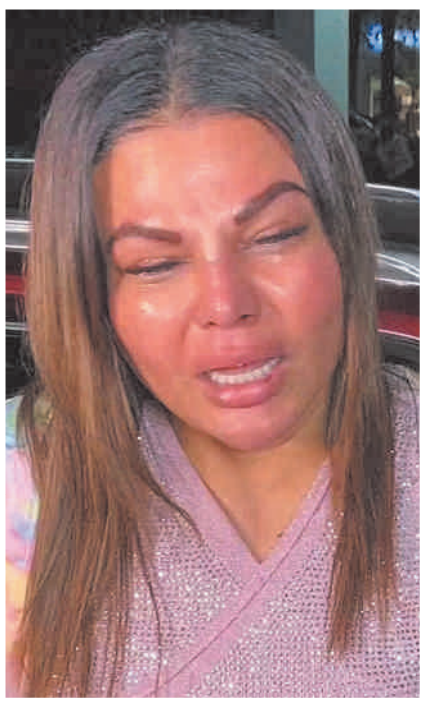

राखी सावंत का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस का कहना है कि उनका ड्राइवर कार की चाबी, पैसे और फोन लेकर भाग गया है। बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में चल रही हैं। वह अक्सर ही किसी ना किसी कारण के चलते सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। एक्ट्रेस की लाइफ में अक्सर ही कुछ न कुछ उथल पुथल देखने को मिलती है। एक्ट्रेस के साथ शनिवार के दिन एक ऐसी घटना हुई है, जिससे वह काफी परेशान नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, राखी सावंत ने पैपराजी से बात करते हुए बताया कि उनका ड्राइवर उनकी कार की चाबी लेकर भाग गया है। इसके साथ ही राखी ने बताया कि उनका गोल्ड का फोन और पैसे चोरी करके भाग गया। इस घटना के बाद राखी काफी परेशान नजर आई। उनका कहना है कि वह इस दौरान कहा जाएं और किस प्लेनेट पर जाकर बस जाऊं। उन्होंने कहा कि उन्होंने उसे गरीब समझ कर काम पर रखा था और वह सारा सामान लेकर भाग गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उसकी बहन उनके घर पर काम करती है। राखी का कहना है कि वह ओशिवारा पुलिस स्टेशन जाकर पप्पू यादव जो कि यूपी से है, उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने जा रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन के कारण हिमाचल में मची तबाही को लेकर यामी गौतम ने जताई चिंता

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश के कारण वहां के हालात काफी भयावह बने हुए हैं। लैंड स्लाइड और बाढ़ के कारण कई लोगों को जानी-माली नुकसान हुआ है और अभी भी कईयों का जीवन संकट में है। वहीं, हिमाचल की ऐसी हालत देखकर एक्ट्रेस यामी गौतम का दिल टूट गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने होम टाउन की इस दशा पर दर्द बयां किया है। मीडिया से बात करते हुए यामी गौतम ने कहा कि वे हिमाचल में हुए इस भारी नुकसान के कारण दुखी हैं। उनका कहना है कि कोई भी चीज अब उन लोगों की जान वापस नहीं ला सकता जो इस घटना में मारे गए, लेकिन सरकार बाकी लोगों के लिए कोई मदद जरूर करेंगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि प्रकृति हमें वही वापस दे रही है जो हमने प्रकृति को दिया है। हिमाचल को देव भूमि यानी देवताओं की भूमि कहा जाता है, ऐसे में वहां का ये भयानक हादसा दिल दहला देता है। एक्ट्रेस ने वहां के लोगों को लेकर भी चिंता जताई।

ऑनस्क्रीन लिपलॉक करने से नहीं कतराए ये सेलेब्स

कोई भी बॉलीवुड फिल्म बिना मसाले के पूरी नहीं होती. बॉलीवुड फिल्में डांस, मसाला, किस, गाने और बहुत कुछ के बिना अधूरी हैं. कुछ सेलेब्स के पास किसी भी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उनके कांट्रैक्ट में सख्त नियम हैं. एक्टर्स इंटीमेट किसिंग सीन करने से परहेज करते हैं. लिस्ट में ऐसे स्टार्स है जो आनस्क्रीन किस करने से बचते है. लेकिन बीते कुछ सालों में शाहरुख खान से लेकर काजोल तक ने अपनी फिल्मों के लिए ऑन-स्क्रीन नो किसिंग पॉलिसी को तोड़ा है. चलिए आपको बताते है इस लिस्ट में और कौन-कौन से सेलेब्स का नाम शामिल है.

काजोल

डिज्नी+हॉटस्टार पर हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज द ट्रायल इन दिनों चर्चा में है. इस सीरीज से काजोल ने ओटीटी पर डेब्यू किया है. काजोल ने 23 साल बाद अपनी नो-किसिंग पॉलिसी को तोड़कर अपने प्रशंसकों को चौंका दिया है. शो में वकील नोयोनिका सेनगुप्ता की भूमिका निभाते हुए, काजोल ने दो अलग-अलग एपिसोड में अपने सह-कलाकारों एली खान और जिशु सेनगुप्ता के साथ ऑनस्क्रीन किस शेयर किया है. ये सीन तेजी से सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगे, जिससे फैन काजोल के साहसिक निर्णय से आश्चर्यचकित रह गए. बता दें कि द ट्रायल प्रशंसित अमेरिकी श्रृंखला द गुड वाइफ का रूपांतरण है. शो में शीबा चड्ढा, कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं.

शाहरुख खान

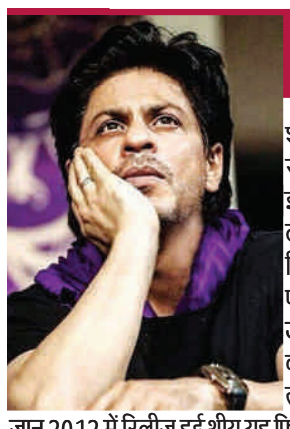

शाहरुख खान बॉलीवुड के किंग और रोमांस किंग हैं. सालों से एक रोमांटिक इंसान की भूमिका निभाने और स्क्रीन पर ढेर सारे रोमांटिक सीन करने के बावजूद, किंग खान ने हमेशा लिप-लॉक करने से परहेज किया है. हालांकि, 2012 में फिल्म जब तक है जान में खूबसूरत कैटरीना कैफ को किस कर अपने नो किसिंग पॉलिसी को तोड़ दिया था. बता दें कि फिल्म जब तक है जान 2012 में रिलीज़ हुई थीय यह फिल्म रोमांटिक ड्रामा है जिसमें शाहरुख, कैटरीना और अनुष्का शर्मा मुख्य भूमिकाएं निभाते हैं. फिल्म के निर्देशक यश चोपड़ा थे और यह उनकी आखिरी फिल्म थी.

तमन्ना भाटिया

लस्ट स्टोरीज 2 नेटफ्लिक्स पर 29 जून को रिलीज हुई थी. फिल्म में चार शॉर्ट फिल्में शामिल हैं, जिसमें एक फिल्म में तमन्ना भाटिया है. इसमें एक्ट्रेस ने विजय वर्मा के लिए अपनी नो-किस पॉलिसी तोड़ दिया था. इस बारे में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा था, मैं सच में सुजॉय के साथ काम करना चाहती थी और मैं वास्तव में खुश हूं कि उन्होंने इस भूमिका के लिए मेरे बारे में सोचा, खासकर क्योंकि मैंने अपने करियर में कोई इंटेमेसी सीन नहीं किया है. मैं वह दर्शक थी जो कहती थी कि मैं ये कभी नहीं करूंगी, मैं कभी भी ऑनस्क्रीन किस नहीं करूंगी. मैं वह व्यक्ति थी, मेरे लिए उस ढांचे से बाहर निकलना एक विकास था.

अजय देवगन

अजय देवगन ने उस समय सभी को आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने अपने निर्देशन में बनी फिल्म शिवाय में एरिका कार के साथ लिप-लॉक करके अपनी 25 साल पुरानी ऑन-स्क्रीन नो किसिंग पॉलिसी को तोड़ दिया था. बता दें कि इन दिनों एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म मैदान को लेकर सुर्खियां बटोर रहे है. फिल्म में वो अलग अंदाज में नजर आएंगे. पिछली बार गोलमाल एक्टर भोला में नजर आए थे. इसमें दीपक डोबरियाल, तब्बू ने अहम भूमिका निभाई. हालांकि मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था. सैफ अली खान ने करीना कपूर खान से शादी के बाद ऑन-स्क्रीन नो किसिंग पॉलिसी फॉलो की. लेकिन एक्टर ने रंगून फिल्म में कंगना रनौत के साथ लिपलॉक कर ये पॉलिसी तोड़ दी. बता दें कि हाल ही में एक्टर फिल्म आदिपुरुष में नजर आए थे. फिल्म में वो लंकेश के किरदार में नजर आए थे. हालांकि फिल्म रिलीज के बाद डायलॉग को लेकर विवादों में घिर गई.

सैफ अली खान

ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने करियर की शुरुआत में किस करने से इनकार कर दिया था. लेकिन उन्होंने अपनी ये पॉलिसी साल 2016 में तोड़ दी. उन्होंने धूम 2 में ऋतिक रोशन को किस किया था. वहीं, फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में ऐश्वर्या ने रणबीर कपूर के साथ लिप लॉक किया था. बता दें कि पिठली बार एक्ट्रेस फिल्म पोन्नियन सेल्वन में नजर आई थी. उनकी एक्टिंग की हर किसी ने तारीफ की.